वर्ष-10 अंक-268 पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये
प्रयागराज, बुधवार 08 जनवरी 2025
नगर संस्करण
TM
आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया
आधुनिक समाचार
प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित
आधुनिक समाचार नेटवर्क
Download From Google Play Adhunik Samachar
10

संक्षिप्त समाचार

सीएम आतिशी समेत कई नेताओं की गिरफ्तारी की साजिश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि हमें जानकारी है कि वे दिल्ली की सीएम आतिशी को भी गिरफ्तार करने जा रहे हैं। मनीष सिसोदिया के ठिकानों पर सीबीआई की छापेमारी होने वाली है और अन्य आप नेताओं को भी गिरफ्तार किया जा सकता है। दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 नजदीक आते ही सियासी पारा चढ़ने लगा है। एक बार फिर आम आदमी पार्टी ने केंद्र की भाजपा सरकार को घेरा है। आप ने दावा किया है कि सीएम आतिशी समेत कई अन्य नेताओं की गिरफ्तारी की साजिश रची जा रही है। और आने वाले दिनो में मनीष सिसोदिया के ठिकानों पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की छापेमारी होने वाली है।आप प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा, 'हम बहुत ईमानदार पार्टी हैं...वे (भाजपा) हमेशा चुनाव से पहले हमारे नेताओं को गिरफ्तार करते हैं और हमें जानकारी है कि वे दिल्ली की सीएम आतिशी को भी गिरफ्तार करने जा रहे हैं। मनीष सिसोदिया के ठिकानों पर सीबीआई की छापेमारी होने वाली है और अन्य आप नेताओं को भी गिरफ्तार किया जा सकता है। भाजपा घबरा गई है और उन्हें अपनी हार दिखाई दे रही है।'इससे पहले सोमवार को आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जल्द ही आप के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया के आवास पर छापा मारेगी। अरविंद केजरीवाल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा कि मैंने कुछ दिन पहले बोला था कि दिल्ली सीएम आतिशी को गिरफ्तार किया जाएगा और 'आप' के कुछ नेताओं पर रेड होगी। विश्वस्त सूत्रों के मुताबिक मनीष सिसोदिया के घर अगले कुछ दिनों में सीबीआई रेड होगी। भाजपा दिल्ली चुनाव हार रही है।

300 फीट गहरे कोयला खदान में अचानक भरा पानी, फंसे 15 से अधिक मजदूर, भारतीय सेना ने शुरू किया राहत अभियान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। घटना जिले के उमरंगसो के तीन किलो क्षेत्र में मौजूद असम कोयला खदान में हुई

है। सोमवार को 300 फीट गहरे खदान में अचानक पानी भर गया। इससे यहां करीब 15 से 20 मजदूर फंस गए। असम के पास दीमा हसाओ जिले में सोमवार को हुई एक कोयला खदान दुर्घटना के बाद भारतीय सेना ने तत्परता दिखाते हुए मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियान शुरू किया है।बता दें, घटना जिले के उमरंगसो के तीन किलो क्षेत्र में मौजूद असम कोयला खदान में हुई है। सोमवार को 300 फीट गहरे खदान में अचानक पानी भर गया। इससे यहां करीब 15 से 20 मजदूर फंस गए। भारतीय सेना और स्थानीय अधिकारियों की संयुक्त टीम ने त्वरित और प्रभावी तरीके से बचाव कामों की शुरुआत की है, जिससे प्रभावित परिवारों में उम्मीद की किरण जगी है। सेना के राहत दल लगातार काम कर रहे हैं और जल्द ही खनिकों को सुरक्षित बाहर निकालने की उम्मीद जताई जा रही है।एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पानी को दो मोटर पंप की मदद से निकाला जा रहा है। वहीं, असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने एक्स पर कहा, 'उमरंगसो में मजदूर कोयला खदान में फंस गए हैं। जिला कलेक्टर, एसपी और मेरे सहयोगी कौशिक राय घटनास्थल पर पहुंच रहे हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन में सेना से मदद मांगी गई है। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें घटनास्थल पर पहुंची हैं।

अमित शाह आज लॉन्च करेंगे भारतपोल पोर्टल; जांच एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय बनाने में मिलेगी मदद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। केंद्र, राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के स्तर पर यह समन्वय इंटरपोल लाइजनिंग ऑफिसर (आईएलओ) के जरिए

किया जाता है, जो अपने-अपने संगठनों में पुलिस अधीक्षकों, पुलिस आयुक्तों और शाखा प्रमुखों के स्तर पर यूनिट ऑफिसर से जुड़े होते हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह देश की विभिन्न जांच एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय बनाने के लिए सीबीआई की ओर से विकसित भारतपोल पोर्टल को मंगलवार को लॉन्च करेंगे। भारतपोल पोर्टल देश की जांच एजेंसियों को रियल टाइम सूचना साझा करने में सक्षम बनाएगा। केंद्र, राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के स्तर पर यह समन्वय इंटरपोल लाइजनिंग ऑफिसर (आईएलओ) के जरिए किया जाता है, जो अपने-अपने संगठनों में पुलिस अधीक्षकों, पुलिस आयुक्तों और शाखा प्रमुखों के स्तर पर यूनिट ऑफिसर से जुड़े होते हैं। मौजूदा समय में सीबीआई, आईएलओ और यूओ के बीच संचार का साधन पत्र, ईमेल और फैक्स है। भारतपोल पोर्टल बनने से एजेंसियों के बीच समन्वय बेहतर होने के साथ ही अपराधी को पकड़ने में मदद मिलेगी। नया अत्याधुनिक ऑनलाइन मंच राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस बलों और केंद्रीय एजेंसियों को विदेश में छिपे भगोड़े व्यक्तियों या अन्य मामलों के बारे में इंटरपोल से सूचना मांगने के लिए अपने अनुरोध भेजने की सुविधा देगा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) भारत का राष्ट्रीय केंद्रीय ब्यूरो है, जो इंटरपोल से संबंधित मामलों के लिए जिम्मेदार है। इंटरपोल के माध्यम से, सीबीआई भारत में अपराध या अपराधियों की जांच में सहायता के लिए इंटरपोल के अन्य सदस्य देशों की समान एजेंसियों से आवश्यक जानकारी मांग सकती है तथा अन्य देशों की सहायता के लिए आपराधिक डेटा और खुफिया जानकारी साझा कर सकती है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह जी का जीवन त्याग, शौर्य और सेवा का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने अधर्म और अत्याचार के खिलाफ अडिग होकर संघर्ष किया। प्रकाश पर्व के शुभ अवसर पर शाह ने नई दिल्ली स्थित गुरुद्वारा श्री रकाबगंज साहिब में मत्था टेककर सत्संग का आशीष भी प्राप्त किया।

ट्रूडो के इस्तीफे का कनाडा-भारत के रिश्तों पर क्या असर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। भारत के साथ अपने देश के संबंधों को तनावपूर्ण बनाने वाले कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अपने पद और लिबरल पार्टी के नेता पद से इस्तीफा दे दिया है। कनाडाई पीएम के इस कदम की दुनियाभर में बातचीत हो रही है। इसी बीच एक सवाल ये भी खड़ा हो रहा है कि ट्रूडो के इस कदम से भारत-कनाडा के रिश्ते पर कैसा प्रभाव पड़ने वाला है कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे ने कनाडा की राजनीति में भूचाल ला दिया है। ट्रूडो इस्तीफे ने कनाडा की राजनीति में गर्माहट है ही लेकिन अब एक सवाल ये भी खड़ा हो रहा है कि ट्रूडो के इस कदम से भारत-कनाडा के रिश्ते पर कैसा असर पड़ने वाला है? इसी बीच तेजी से खड़े हो रहे भारत-कनाडा के रिश्ते को लेकर कनाडाई पत्रकार डैनियल बोर्डमैन ने कहा कि ट्रूडो का इस्तीफा भारत के लिए अच्छा हो सकता है।

फिर बदला कांग्रेस का ठिकाना, अब 9ए-कोटला रोड होगा मुख्यालय; नए भवन में संग्रहालय भी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। एक बार फिर कांग्रेस मुख्यालय का पता बदल गया है। अब कांग्रेस का नया मुख्यालय 9ए-कोटला रोड पर होगा। भूमिगत समेत सात मंजिला ये इमारत इंदिरा भवन के नाम से जाना जाएगा, जो कि पार्टी के अलावा अनुषांगिक संगठनों का भी मुख्यालय होगा। कांग्रेस मुख्यालय का नया पता 9ए कोटला रोड होगा। 24 अकबर रोड स्थित कांग्रेस मुख्यालय अगले दो से तीन हफ्ते में नए जगह शिफ्ट हो जाएगा। नए भवन का नाम इंदिरा भवन रखा गया है। कांग्रेस मुख्यालय भूमिगत समेत सात मंजिला है। यह पार्टी के अलावा अनुषांगिक संगठनों का भी मुख्यालय होगा। अभी 24 अकबर रोड पर मुख्यालय, सेवादल इसी रोड पर 24 नंबर बंगले और रायसीना रोड पर युवा कांग्रेस और भारतीय छात्र संघ का कार्यालय है।नए भवन में एक संग्रहालय होगा जो भारतीय वास्तुकला का अनूठा नमूना होगा। इसमें पार्टी के इतिहास से वर्तमान तक के सफर को दिखाया गया है। इसमें सुरक्षा को काफी

महत्व दिया गया है। अभी 24 अकबर रोड पर मुख्यालय, सेवादल इसी रोड पर 24 नंबर बंगले और रायसीना रोड पर युवा कांग्रेस और भारतीय छात्र संघ का कार्यालय है।कांग्रेस के राजनीतिक दल बनने का सफर 28 दिसंबर 1885 में शुरू हुआ। तब से लेकर अब तक पार्टी के कई मुख्यालय बदले हैं। सबसे पहले इलाहाबाद में 1931 में आनंद भवन को मुख्यालय बनाया गया, जिसे आजादी के बाद दिल्ली में 7 जंतर मंतर रोड पर शिफ्ट किया। 1971 में पार्टी का कार्यालय पांच राजेंद्र प्रसाद रोड पर शिफ्ट हुआ। 1977 में इमरजेंसी के बाद इंदिरा कांग्रेस ने जनवरी 1978 में पार्टी का नया मुख्यालय बनाया। इस बार पार्टी का नया पता था 24 अकबर रोड था। उस समय से अब तक यहां कांग्रेस का मुख्यालय रहा।छत्तीसगढ़ में सोमवार को हुए नक्सल हमले में मारे गए जवानों की मौत पर दुख जताते हुए राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि बीजापुर में कायराना नक्सली हमले में हमारे कई जवानों और एक ड्राइवर की शहादत की खबर सुनकर गहरा दुख हुआ। मैं शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और घायल जवानों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि पूरा देश आतंक और हिंसा के खिलाफ एकजुट है। उन्होंने कहा जवानों की शहादत में वृद्धि राष्ट्रीय सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठाती है।

दिल्ली चुनाव की तारीखों का आज एलान, चुनाव आयोग दो बजे करेगा प्रेस कॉन्फ्रेंस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। चुनाव आयोग आज दिल्ली विधानसभा चुनाव की तारीखों का एलान करने वाला है। चुनावी कार्यक्रम को लेकर आयोग दो बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगा।राजधानी दिल्ली में चुनाव आयोग आज विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा करने वाला है। मिली जानकारी के मुताबिक, चुनाव आयोग दोपहर दो बजे चुनावी कार्यक्रम साझा करने के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगा। दिल्ली में 70 विधानसभा हैं। मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 23 फरवरी को समाप्त होने वाला है।बीते सोमवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर चुनाव आयोग ने अंतिम मतदाता सूची जारी की थी।

बीते साल बाढ़-सूखे से जूझती रही दुनिया; अकेले केरल के वायनाड में हुआ 12 अरब का नुकसान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। प्रमुख शोधकर्ता अल्बर्ट वैन डिज्क ने बताया कि 2024 का चरम मौसम कोई अकेली घटना

नहीं है बल्कि यह बाढ़, लंबे सूखे और रिकॉर्ड तोड़ मौसम की बढ़ती प्रवृत्ति का हिस्सा है। चरम मौसम ने 2024 में दुनिया भर में गंभीर समस्याएं पैदा कीं। इसमें बाढ़ और सूखे ने भारी तबाही मचाई। एक नई रिपोर्ट बताती है कि जलवायु परिवर्तन जल प्रणालियों पर असर डाल रहा है। इससे कहीं भारी बारिश हो रही है तो कहीं सूखा पड़ रहा है। यही वजह रही कि भारत, पश्चिम अफ्रीका और यूरोप में रिकॉर्ड तोड़ बारिश हुई। ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी (एएनयू) और अन्य वैश्विक वैज्ञानिकों की टीम के अध्ययन में यह खुलासा हुआ है।चरम मौसम ने 2024 में दुनिया भर में गंभीर समस्याएं पैदा कीं। इसमें बाढ़ और सूखे ने भारी तबाही मचाई। एक नई रिपोर्ट बताती है कि जलवायु परिवर्तन जल प्रणालियों पर असर डाल रहा है। इससे कहीं भारी बारिश हो रही है तो कहीं सूखा पड़ रहा है। यही वजह रही कि भारत, पश्चिम अफ्रीका और यूरोप में रिकॉर्ड तोड़ बारिश हुई। ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी (एएनयू) और अन्य वैश्विक वैज्ञानिकों की टीम के अध्ययन में यह खुलासा हुआ है।वैज्ञानिकों ने अपने शोध में पाया कि जीवाश्म ईंधन जलाने से हो रहा जलवायु परिवर्तन मानसून, चक्रवात और तूफानों को ज्यादा शक्तिशाली और बारिश को अधिक तीव्र बना रहा है। प्रमुख शोधकर्ता अल्बर्ट वैन डिज्क ने बताया कि 2024 का चरम मौसम कोई अकेली घटना नहीं है बल्कि यह बाढ़, लंबे सूखे और रिकॉर्ड तोड़ मौसम की बढ़ती प्रवृत्ति का हिस्सा है। 111 देशों में लगभग 4 अरब लोगों ने अपने अब तक के सबसे गर्म वर्ष का अनुभव किया। वैज्ञानिकों ने इस तरह के चरम मौसम की घटनाओं के लिए तैयारी करने की जरूरत पर बल दिया है। इसमें मजबूत बाढ़ सुरक्षा, सूखा प्रतिरोधी कृषि, जल आपूर्ति सुनिश्चित करना और बेहतर प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली विकसित करना शामिल है।बाढ़, सूखा, चक्रवात और भूस्खलन जैसी आपदाओं की वजह से 2024 में 8,700 से अधिक लोगों की मौत हुई। वहीं, 4 करोड़ लोग विस्थापित हुए और 550 अरब डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ। केरल के वायनाड जिले में भूस्खलन से 375 लोगों की मौत हुई, 10,000 लोग विस्थापित हुए और 12 अरब रुपये (140 मिलियन यूएसडी) का नुकसान हुआ। वायनाड का भूस्खलन पश्चिमी घाट में बढ़ते भूस्खलन के पैटर्न की तरफ इशारा करता है, यह दिखाता है कि जलवायु मॉडल के अनुसार जलवायु परिवर्तन की वजह से अधिक तेज बारिश हो रही है। बांग्लादेश में अगस्त में भारी मानसूनी बारिश और बांधों से पानी छोड़े जाने के कारण गंभीर बाढ़ आई। इससे 58 लाख लोग प्रभावित हुए और 10 लाख टन से अधिक चावल नष्ट हो गया। अफगानिस्तान, पाकिस्तान और ब्राजील में भी भारी बारिश हुई। अब बारिश के रिकॉर्ड अधिक बार टूट रहे हैं। 2024 में मासिक बारिश के रिकॉर्ड 21वीं सदी की शुरुआत की तुलना में 27 फीसदी अधिक बार टूटे और दैनिक बारिश के रिकॉर्ड 52 फीसदी अधिक बार टूटे। यहां तक कि रिकॉर्ड में कम बारिश की घटनाएं भी 38 फीसदी बढ़ गईं, जो यह दिखाता है कि बारिश और सूखा दोनों स्थितियों में चरम सीमा देखी जा रही है। दूसरी तरफ दक्षिण अमेरिका में अमेजन बेसिन और दक्षिणी अफ्रीका के क्षेत्रों में विनाशकारी सूखा पड़ा।

'दुर्घटना के मामलों में उचित मुआवजा देने का ध्यान रखें न्यायालय', शीर्ष कोर्ट की टिप्पणी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। 3 अक्तूबर 2009 को याचिकाकर्ता जब अपने दोस्त के साथ मोटरसाइकिल पर पंचमढ़ी जा रहा था तो एक ट्रक से उसकी दुर्घटना हो गई। ट्रक गलत दिशा में और लापरवाही से चलाया जा

रहा था। दुर्घटना में उसे सिर, जबड़े, पैर, घुटने, छाती और पसलियों में चोट समेत कई गंभीर चोटें आईं, जिसके लिए याचिकाकर्ता का तीन बार ऑपरेशन किया गया। एमएसीटी ने उसे 19,43,800 रुपये का मुआवजा दिया था।सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि न्यायालय को सड़क दुर्घटना के मामलों में पूरा और उचित मुआवजा देने का ध्यान रखना चाहिए। क्योंकि पूर्ण या सटीक मुआवजा मिलना मुश्किल है, लेकिन यह देखना होगा कि पीड़ित को गलत करने वालों के हाथों नुकसान उठाना पड़ा है। जख्मों के कारण 60 फीसदी स्थायी रूप से विकलांग हो चुके दुर्घटना पीड़ित के मुआवजे में वृद्धि करते हुए जस्टिस संजय करोल और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने कहा कि यह एक सर्वमान्य मानदंड है कि पैसा किसी की जान की भरपाई नहीं कर सकता लेकिन जहां तक पैसे से नुकसान की भरपाई हो सकती है, उचित मुआवजा देने का प्रयास किया जाना चाहिए।पीठ ने कहा, पूर्ण मुआवजा मिलना मुश्किल है, लेकिन यह ध्यान में रखना होगा कि पीड़ित ने गलत काम करने वाले के हाथों कष्ट झेला है। अदालत को उसे उसके कष्ट के लिए पूरा और उचित मुआवजा देने का ध्यान रखना चाहिए। शीर्ष अदालत ने महसूस किया कि कुछ मामलों में व्यक्तिगत चोट के लिए दावा जीवन भर की कमाई के नुकसान के संबंध में हो सकता है। क्योंकि वह जीवित तो रहेगा लेकिन अपनी आजीविका नहीं कमा सकता। अन्य मामलों में, दावा आंशिक रूप से कमाई के नुकसान के लिए किया जा सकता है। पीठ ने कहा, प्रत्येक मामले पर उसके अपने तथ्यों के आधार पर विचार किया जाना चाहिए और अंत में यह पूछना चाहिए कि क्या दी गई राशि उचित राशि है। शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता अतुल तिवारी को दिए जाने वाले मुआवजे की राशि को बढ़ाकर 48,00,000 रुपये कर दिया। तिवारी ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी जिसमें मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण के दिए मुआवजे की राशि बढ़ाकर 27,21,600 रुपये की गई थी।

कच्छ में 540 फीट के गहरे बोरवेल में गिरी 18 साल की किशोरी, बाहर निकालने में जुटा स्थानीय प्रशासन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। बचाव कार्य में जुटे हसीलदार अरुण शर्मा ने बताया कि एक 18 वर्षीय लड़की बोरवेल में गिर गई। बचाव के लिए सेना, एनडीआरएफ और बीएसएफ की टीम मौके पर मौजूद है और लड़की को बचाने के लिए ऑपरेशन जारी है। गुजरात के कच्छ में सोमवार की सुबह एक 18 वर्षीय लड़की 540 फुट गहरे बोरवेल में गिर गई। मामले में अधिकारियों ने बताया कि सोमवार सुबह कच्छ जिले के एक गांव में 18 वर्षीय लड़की गहरे बोरवेल में गिर गई और उसे बचाने के प्रयास जारी हैं। बता दें कि बचाव कार्य के लिए मौके पर सेना, एनडीआरएफ और बीएसएफ की टीम मौजूद है। यह घटना भुज तालुका के कंदेराई गांव में सुबह करीब साढ़े छह बजे हुई। साथ ही ये भी बताया जा रहा है कि लड़की राजस्थान के प्रवासी मजदूर परिवार से है। इस मामले में भुज के डिप्टी कलेक्टर एबी जादव ने बताया कि लड़की 540 फुट गहरे बोरवेल में 490 फुट की गहराई पर फंसी हुई थी। शुरुआत में अधिकारियों को इस बात पर संदेह था, लेकिन बाद में कैमरे की मदद से लड़की की मौजूदगी की पुष्टि हो गई। अधिकारियों ने आगे बताया कि स्थानीय बचाव दल लड़की को बाहर निकालने की कोशिश कर रहा है और उसे ऑक्सीजन की आपूर्ति भी की जा रही है। लड़की बेहोशी की हालत में है। इस बचाव कार्य में मदद के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की टीमों को भी बुलाया गया है।

अपराध के सभी तत्व प्रथम दृष्टया मौजूद', हाईकोर्ट का निकिता के खिलाफ एफआईआर रद्द करने से इनकार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
कर्नाटक। अतुल सुभाष आत्महत्या मामले में कर्नाटक उच्च न्यायालय ने निकिता सिंघानिया के खिलाफ एफआईआर रद्द करने से इनकार कर दिया। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति एसआर कृष्ण कुमार ने कहा कि शिकायत में सभी तथ्य पहले ही सामने आ चुके हैं, जिससे एफआईआर को रद्द करने का कोई कारण नहीं है। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने सोमवार को अतुल सुभाष की पत्नी निकिता सिंघानिया के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि एफआईआर में आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपों के सभी तत्व मौजूद हैं। कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एसआर कृष्ण कुमार ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि शिकायत में सभी तथ्य पहले ही सामने आ चुके हैं, जिससे एफआईआर को रद्द करने का कोई कारण नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि शिकायत और

एफआईआर में आत्महत्या के लिए उकसाने का पूरा विवरण दिया गया है।बता दें कि अतुल सुभाष, जो एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर थे उन्होंने अपनी पत्नी और ससुराल वालों पर उत्पीड़न का आरोप लगाया था, जिसके बाद उन्होंने पिछले महीने आत्महत्या कर ली। उनकी मौत ने पूरे देश में महिलाओं और गुजारा भत्ते पर सख्त कानून की मांग को लेकर आक्रोश पैदा किया। अतुल के भाई की शिकायत पर उनकी पत्नी निकिता, मां निशा और भाई अनुराग के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया था।अतुल सुभाष की आत्महत्या के बाद उनके भाई द्वारा दर्ज एफआईआर को सिंघानिया के वकील ने चुनौती दी थी, लेकिन अदालत ने कहा कि इसमें सभी जरूरी जानकारी दी गई है। सुनवाई के दौरान अदालत ने जांच और सामग्री की जानकारी मांगी और मामले की सुनवाई को स्थगित कर दिया। गौरतलब है कि निकिता सिंघानिया और उनके परिवार के सदस्यों को आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में शनिवार को बेंगलुरु की अदालत से अंतरिम जमानत मिल गई थी।

सिंधु घाटी सभ्यता से समानता के संकेत; 120 दबे कलशों में से एक में मिला धान का भूसा 3200 साल पुराना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। प्रोफेसर राजन और पुरातत्व विभाग के संयुक्त निदेशक शिवानंदन ने 140 पुरातात्विक स्थलों से मिले 15,000 से अधिक खुदाई के दौरान मिले लगभग 90 फीसदी भित्तिचित्रों के निशान सिंधु घाटी सभ्यता के चिह्नों से मिलते जुलते हैं। तमिलनाडु पुरातत्व विभाग के संयुक्त निदेशक आर शिवनाथन

भित्तिचित्र वाले बर्तनों का गहन अध्ययन किया। इनको डिजिटाइज कर सिंधु घाटी सभ्यता के संकेतों से इनकी तुलना की गई। तमिलनाडु राज्य पुरातत्व विभाग के एक हालिया अध्ययन में दावा किया गया है कि तमिलनाडु में प्राचीन पुरातात्विक स्थलों पर और प्रोफेसर के राजन के अध्ययनों का यह निष्कर्ष सिंधु घाटी सभ्यता की खोज की शताब्दी के अवसर पर जारी किया गया। प्रोफेसर राजन और पुरातत्व विभाग के संयुक्त निदेशक शिवानंदन ने 140 पुरातात्विक स्थलों से मिले 15,000 से अधिक भित्तिचित्र वाले बर्तनों का गहन अध्ययन किया। इनको डिजिटाइज कर सिंधु घाटी सभ्यता के संकेतों से इनकी तुलना की गई। तुलनात्मक अध्ययन से पता चला कि सिंधु घाटी सभ्यता और लौह युग की बस्तियों के बीच कई समानताएं पाई गईं। इससे यह संभावना जताई गई कि सिंधु घाटी सभ्यता और तमिलनाडु की लौह युगीन बस्तियों के बीच संपर्क हो सकता है। हालांकि, इस संबंध को पुख्ता करने के लिए और सबूतों की जरूरत है, और इस पर आगे शोध किया जा रहा है। पुरातत्वविदों को खुदाई के दौरान भित्तिचित्रों के अलावा, कार्नेलियन मोती, अकीक, काले-लाल बर्तन और अन्य वस्तुएं मिलीं। पुरातत्व स्थल पर 120 दबे कलशों में से एक में मिला धान का भूसा कार्बन डेटिंग के बाद 3,200 साल पुराना साबित हुआ।

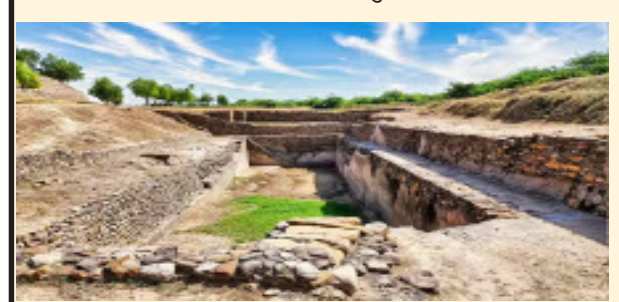

साहित्य भवन पब्लिकेशन आगरा ने नोट बुक्स क्षेत्र में क्रांति लाते हुये फ्री माइंड एन. आर. रेंज को मार्केट में उतारा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। प्रयागराज ब्यूरो त् शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ते खर्चों को आकर्षक कवर और टिकाऊ निर्माण के साथ कम कीमत पर सर्वसुलभ है। नैनी, प्रयागराज में डिस्ट्रीब्यूटर्स

देखते हुये अभिभावको के लिए राहत भरा कदम है, फ्री माइंड एन. आर. आई. रेंज मार्कर में उपलब्ध अन्य कम्पनियों के नोट बुक्स से 20 से 30 प्रतिशत तक सस्ता है साथ उच्च गुणवत्ता, बेहतरीन कागज कम्पनी- कुमार पेन कम्पनी द्वारा आयोजित डीलर्स मीट में फ्रीमाइंड कम्पनी के प्रतिनिधि आलोक द्विवेदी ने डीलर्स को सम्बोधित करते हुये कहा कि फ्री माइंड का उद?देश्य हर विद्यार्थी को गुणवत्ता परक नोट बुक्स सुलभ कराना है, शिक्षा सभी का अधिकार है, विद्यार्थी उच्च-गुणवत्ता वाली नोट बुक उपयोग कर सके, और अपने सपने साकार कर सके, इसके लिए कम्पनी फ्री माइंड को भरोसा है भविष्य में और भी कम कीमत पर सर्व सुलभ करायेगे। डिस्ट्रीब्यूटर्स कुमार पेन कम्पनी के प्रोपराइटर सतीश कुमार शुक्ल ने कहा कि जब से फ्रीमाइंड एन. आर. आई. रेंज मार्केट में आया है, निरन्तर मांग में बढ़ोतरी देखी जा रही है, क्योंकि अन्य नोट बुक्स की अपेक्षा में इसकी कीमत काफी कम है, समाज में अभिभावक कापी-किताब के बढ़ते खर्ची से परेशान हो उठते है ऐसे में फ्रीमाइंड एन आर. आई. रेंव की पहल लोगो को राहत दे रहा डीलर्स मिट में कम्पनी प्रतिनिधि सहित, प्रयागराज, कौशाम्बी प्रतापगढ़ मिरजापुर भदोही चित्रकूट, जनपदो को के 200 डीलर्स ने हिस्सा लिया ।

अग्निशमन तथा आपात सेवा विभाग के दायित्वों की पूर्ति हेतु गोष्ठी का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। आगामी महाकुंभ मेला 2025 के सकुशल एवं निर्विघ्न

सम्पादन के लिए अग्निशमन तथा आपात सेवा विभाग के दायित्वों की पूर्ति हेतु आज दिनांक 05/01/2025 को मेला प्राधिकरण महाकुंभ मेला प्रयागराज के सभागार में श्री विजय किरण आनंद मेलाधिकारी महाकुंभ 2025 प्रयागराज एवम महानिदेशक उ0प्र0 अग्निशमन तथा आपात सेवा श्री अविनाश चंद्र महोदय द्वारा मेला में अग्नि से बचाव एवं सुरक्षा हेतु आग लगे ही न,के उद्देश्य से विद्युत एवं विद्युत सुरक्षा विभाग के अधिकारियों/ कर्मचारियों के साथ विद्युत सुरक्षा के संबंध में गोष्ठी आयोजित की गई उक्त गोष्ठी में महानिदेशक उ0प्र0 अग्निशमन तथा आपात सेवा श्री अविनाश चंद्र, उपनिदेशक फायर सर्विस श्री अमन शर्मा, अधीक्षण अभियंता श्री मनोज गुप्ता, मुख्य अग्निशमन अधिकारी मुख्यालय महाकुंभ मेला श्री प्रमोद शर्मा,मुख्य अग्निशमन अधिकारी कमिश्नरेट प्रयागराज डॉ0आर.के. पाण्डेय, सीएफओ रवींद्र मिश्रा, यदुनाथ सिंह, सीएफओ प्रताप सिंह, सीएफओ रमेश तिवारी और विद्युत विभाग के अधिकारी एवं विद्युत सुरक्षा विभाग के अधिकारी उपनिदेशक श्री सिकंदर व सहायक निदेशक हेमंत शर्मा अन्य अधिकारी/ कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

थाना नवाबगंज पुलिस टीम द्वारा पशु क्रुरता करने वाले गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। पुलिस आयुक्त एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के निर्देशन

में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस उपायुक्त गंगानगर के कुशल पर्यवेक्षण में व सहायक पुलिस आयुक्त सोरांव के कुशल नेतृत्व में गंगानगर-जोन के थाना नवाबगंज पुलिस टीम द्वारा रविवार को पशु क्रुरता करने वाले चार अभियुक्त 1. तौकीर अहमद पुत्र शहजादे अहमद निवासी ग्राम ननवई गूलामीपुर थाना कोखराज जनपद कौशाम्बी. मो0 गुफरान पुत्र रियाज हसन निवासी ग्राम गोविन्द पुर गोरियो थाना सैनी जनपद कौशाम्बी. मो0 अख्तर पुत्र मुर्तजा खान निवासी ग्राम शेरघाटी थाना शेरघाटी जनपद गया बिहार. आविद राईन पुत्र साबिर राईन निवासी ग्राम बाजार मोहल्ला उसिया थाना दिलदारनगर जनपद गाजीपुर को थाना नवाबगंज क्षेत्रान्तर्गत ग्राम धरणी-धर का पुरा के पास से 05 ट्रकों में लदे 67 भैंस, 01 मृत भैंस, 03 लंगड़ी भैंस, 03 भैंसा व कूटरचित वाहन दस्तावेज के साथ गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्तों ने पूछताछ पर बताया कि कूटरचना कर वाहन.ट्रकों के दस्तावेजों को तैयार किया जाता है। जिससे पशुओं भैंसों को वध करने हेतु एक जनपद से दुसरे जनपद ले जाया जाता है । असद उर्फ अरसद, अरमान कुरैशी, अहमद, मोबिन उर्फ अकील द्वारा पशुओं से लदे ट्रकों को पुलिस के पकड़े जाने से बचने के लिये आगे-आगे चलकर लोकेशन दिया जाता था जिससे हम लोग आराम से निकल जाते थे, जिसके एवज में हम लोगों द्वारा 2000/- रूपये प्रति चक्कर दिया जाता था । चेकिंग दौरान उपरोक्त अभियुक्तों के कब्जे से पांच ट्रकों में लदे 67 भैंस, 01 मृत भैंस, 03 लंगड़ी भैंस, 03 भैंसा व कूटरचित वाहन दस्तावेज की बरामदगी की गयी, एवं कई विभिन्न धारा में स्थानीय पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत किया गया।

संभल मामले को लेकर सपा मुख्यालय पर अखिलेश यादव ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
लखनऊ। संभल की सच्चाई जनता के सामने आनी चाहिए-अखिलेश संभल मामले में जिस तरह से करवाई हो रही है निर्दोषों पर झूठे मुकदमे किये जा रहे है ये पूरी घटना सरकार ने कराया है-

अखिलेश एक सोची समझी और साजिश के तहत संभल में हिंसा हुई, गोली कहीं से चली है तो प्रशाशन ने चलाया है-अखिलेश उनके ऊपर दबाव बनाया जा रहा है जैसा पार्टी चाहती है वैसा बयान दो, यहां कहा कि सरकार है ये बीजेपी के लोग जो सरकार में बैठे है ये भाईचारा की पार्टी नही है बीजेपी दरार की पार्टी है-अखिलेश बीजेपी के लिए किसी के जान की कोई कीमत नहीं है बीजेपी हृदयहीन पार्टी है-अखिलेश इस सरकार में न्याय मिलने और न्याय के साथ साथ लोगों की सुनवाई हो इस सरकार में कहीं नहीं दिखता-अखिलेश संभाल की घटना नहीं थी ये बहुत बड़ी साजिश थी ये खोदने वाले लोग है ये रुकने वाले नहीं है-अखिलेश प्रयागराज के लिए जब जाएं मैं साधु मुनियों से यही कहूंगा जब आप जाए तो साथ मे किसी को लेकर जाएं-अखिलेश बगैर नाम लिए अखिलेश यादव ने ब्रजेश पाठक को कहा जब कोई इनसे भ्रष्टाचार का सवाल पूछता है तो ये श्लोक सुनाने लगते है-अखिलेश 50 हजार गायें प्रतिदिन काटी जा रही है तो ये सनातनी मुख्यमंत्री जी क्या कर रहे है या तो बीजेपी विधायक गलत है या गायें सच मे कट रहे है-अखिलेश बीजेपी के लोग झूट बोलने वाले लोग है इनसे संविधान पर चलने की अगर उम्मीद कर रहे है तो आप भूल कर रहे है-अखिलेश मुख्यमंत्री जी को एक्सप्रेस वे क्या होता है जानते नहीं है पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के क्या हालत है आप जानते है-अखिलेश।

महाकुंभ में डुबकी लगाएंगी अरबपति महिलाएं, लॉरेन पॉवेल जॉब्स कल्पवास

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक समागम में देश ही नहीं

विश्व की जानी मानी हस्तियां हिस्सा लेने के लिए पहुंच रही हैं। एप्पल की मालकिन के अलावा समाजसेविका सुधा मूर्ति और सिने तारिका हेमा मालिनी महाकुंभ में पहुंचने वाली हैं। दुनिया की चकाचौंध में संगम की रेती की महिमा किस तरह फैलने जा रही है, इसकी बानगी महाकुंभ में दिखेगी। इस महाकुंभ में सिर पर गठरी और हाथ में झोला लेकर पांटून पुलों पर धक्का खाने वाली खांटी गंवई अंदाज वाली घूंघट की ओट से झांकने वाली महिलाएं ही नहीं, दुनिया को चलाने वाली कई अरबपति महिलाएं भी संगम की रेती पर कल्पवास करेंगी। विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक आयोजन महाकुंभ में दुनिया की जिन अरबपति महिलाओं के ठहरने के लिए संगम की रेती पर महाराजा डीलक्स के अलावा अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त कॉटेज लगाए जा रहे हैं, उनमें एप्पल की मालकिन लॉरेन पॉवेल जॉब्स भी शामिल हैं।

बंधवा हनुमान मंदिर में घुसे चार आतंकी, महंत को बनाया बंधक, तीन आतंकी ढेर, एटीएस ने किया मॉक अभ्यास

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। 27 मिनट तक चले ऑपरेशन में तीन आतंकी मौके पर ही ढेर कर दिए गए जबकि एक को गिरफ्तार कर लिया गया। बाद में पता चला कि एनएसजी व एटीएस की यह संयुक्त कार्रवाई मेला क्षेत्र में रात में हुई पहली काउंटर टेररिज्म एक्सरसाइज का हिस्सा थी।संगम क्षेत्र स्थित हनुमान मंदिर में शनिवार रात चार आतंकी घुस गए। उन्होंने मंदिर के महंत को बंधक बना लिया। इसकी सूचना मिलने पर नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) व एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीसी) ने मंदिर में पहुंचकर मोर्चा संभाला। 27 मिनट तक चले ऑपरेशन में तीन आतंकी मौके पर ही ढेर कर दिए गए जबकि एक को गिरफ्तार कर लिया गया। बाद में पता चला कि एनएसजी व एटीएस की यह संयुक्त कार्रवाई मेला क्षेत्र में रात में हुई पहली काउंटर टेररिज्म एक्सरसाइज का हिस्सा थी। रात

10:06 बजे यह एक्सरसाइज शुरू हुई। वायरलेस पर मैसेज प्रसारित हुआ कि हनुमान मंदिर में चार आतंकी घुस गए हैं और उन्होंने महंत को बंधक बना लिया है। इस सूचना पर कुछ ही देर में वहां एनएसजी व एटीएस के कमांडो पहुंच गए दोनों टीमों ने सबसे पहले मंदिर परिसर को अपने घेरे में ले लिया। इसके बाद एनएसजी के जवानों की एक टीम भीतर घुसी। उधर, दूसरी ओर से एटीएस के कमांडो भी मुस्तैद हो गए। एक टीम ने सामने जबकि दूसरी टीम ने निकास द्वार की ओर से मंदिर में प्रवेश किया। भीतर पहुंचने पर चार आतंकी महंत को बंधक बनाए नजर आए। वह कुछ कर पाते, इससे पहले ही कमांडोज ने एक आतंकी को दबोच लिया। तीन आतंकियों ने फायरिंग करते हुए भागने की कोशिश की। इस पर कमांडोज ने तीनों को मौके पर ही ढेर कर दिया। 27 मिनट तक चला ऑपरेशन रात 10:33 बजे सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। काउंटर टेररिज्म एक्सरसाइज के दौरान अचानक मंदिर परिसर में दर्जनों कमांडोज को देखकर दर्शनार्थी स्तब्ध रह गए।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

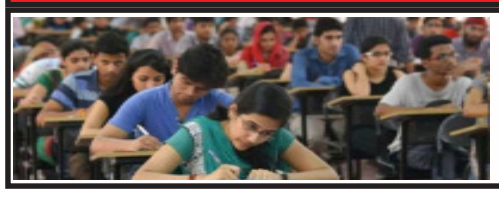

प्रदेश आस/पास

भारत

शहीदों के सम्मान में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व द्वारा किया गया दीपदान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। 7 जनवरी 1921 को स्वतंत्रता सेनानियों पर हुए गोली

कांड की याद में पूर्व संध्या पर प्रत्येक वर्ष की भांति आज सई नदी के तट पर स्थित मुंशीगंज शहीद स्मारक पर अमृता सिंह अपर जिलाधिकारी वित्त राजस्व , अपर जिलाधिकारी प्रशासन सिद्धार्थ,सिटी मजिस्ट्रेट राम अवतार, रायबरेली विकास प्राधिकरण के सहायक अभियंता राजीव,सहायक अभियंता अग्रवाल,अवर अभियंता अशोक कुमार मिश्र,अवर अभियंता निष्ठा साहू, महेंद्र अग्रवाल,त्रिलोचन सिंह मोंगा, संदीप जैन,व्यापारी नेता जी. सी.चौहान,अनिल कुमार मिश्रा, अध्यक्ष स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी संघ,अमित मिश्रा, राजेश कुमार पांडेय,शिव मनोहर पाण्डे आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन अनूप कुमार मिश्रा द्वारा किया गया।

न्यायिक अधिकारियों की निगरानी समिति द्वारा बालिका आश्रय गृह का किया गया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। मा0 जनपद न्यायाधीश राजकुमार सिंह के दिशा-निर्देशन न्यायिक अधिकारियों की समिति के द्वारा बालक आश्रय गृह व बालिका आश्रय गृह स्थित चक धौरहरा रायबरेली का निरीक्षण किया गया। समिति के अध्यक्षा प्रतिमा व सदस्य अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनुपम शौर्य के द्वारा गांधी सेवा निकेतन के आश्रय गृह में आवासित बालिकाओं से बातचीत करके उनका हाल-चाल जाना गया। आश्रय गृह में रहने वाली बालिकाओं द्वारा समिति को अपनी समस्याओं से अवगत कराया। समिति के द्वारा आवासित बालिकाओं के शैक्षणिक, मानसिक व सामाजिक विकास हेतु मिलने

वाली सुविधाओं के सम्बन्ध में जानकारी ले आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। समिति द्वारा आश्रय गृह के बालिकाओं के नियमित चिकित्सकीय जांच कराये जाने के भी निर्देश दिये गये। इस अवसर पर प्रबन्धक को निर्देशित किया गया कि बालिकाओं के अल्पवयस्कता को देखते हुए नियमित काउंसिलिग कराये। अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि जो बालिकाएँ पढ़ने की इच्छुक है उनका दाखिला सम्बन्धित संस्था में कराया जाए व आवासित बालिकाओं के माता-पिता से सम्पर्क कर बालिकाओं को उनके घर भेजने का प्रयास किया जाए। दौरान निरीक्षण असिस्टेंट, लीगल एड डिफेन्स काउंसिल श्री योगेश चन्द्र, पराविधिक स्वयं सेवक पूनम सिंह व मनोज कुमार प्रजापति भी उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल में प्रधानमंत्री के नाम स्थानीय सांसद को दिया ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा ऑनलाइन ट्रेडिंग के विरोध में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल नोएडा ने संस्था के एनसीआर अध्यक्ष एवं जिला चेयरमैन सुनील गुप्ता एवं जिला अध्यक्ष सुधीर चंद्र पोरवाल एवं पूरी कार्यकारिणी समेत

भारी संख्या में उद्योगपतियों एवं व्यापारियों के साथ कैलाश हॉस्पिटल सेक्टर 27, नोएडा में सांसद डॉक्टर महेश शर्मा द्वारा प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन दिया। इस अवसर पर बोलते हुए राष्ट्रीय संगठन मंत्री सुनील गुप्ता ने कहा कि ऑनलाइन ट्रेडिंग के कारण इसमें मुख्यतः विदेशी कंपनियां शामिल है। छोटे एवं मध्यम कारोबारियो का ज्यादातर व्यापार या तो बंद हो गया है या उनके कारोबार में 75ज़ तक कमी हुई है। देश भर में लगभग दो करोड़ इस श्रेणी के कारोबारी आते हैं यदि उनके परिवार एवं उनके कर्मचारियों को जोड़ दिया जाए तो यह आंकड़ा लगभग 20 करोड़ होता है । सुनील गुप्ता ने सांसद जी का ध्यान इस ओर आकृष्ट करते हुए कहा कि यदि यही व्यवस्था रही तो 20 करोड़ देशवासियों को रोजी-रोटी का संकट पैदा हो जाएगा। इसके विपरीत यह ऑनलाइन चंद विदेशी कंपनियों को देखा जाए तो वह मात्र कुछ लाख रोजगार देकर बड़ी मात्रा में अपना मुनाफा विदेशों में भेज रहे हैं। सुनील गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री से आग्रह है कि वह एक उच्च स्तरीय कमेटी बनाकर दोनों की बिजनेस मॉडल की जांच करते हुए एक सुगम रास्ता ऐसा निकाले जिसमें दोनों ही तरह के व्यापार पनप सके एवं भारत की तरक्की में सहायक हों । डॉ महेश शर्मा ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा कि व्यापारी वर्ग भाजपा का एक अभिन्न अंग है।और उन्होंने आश्वासन दिया कि वह अपनी तरफ से प्रधानमंत्री कार्यालय को इस ज्ञापन को भेजते हुए प्रधानमंत्री से निवेदन करेंगे कि वह व्यापारियों की समस्या का समाधान निकाले । इस अवसर पर वरिष्ठ महासचिव अमित अग्रवाल, कोषाध्यक्ष नरेश बंसल, संरक्षक डीपी गोयल, राजकुमार गर्ग, रवि कांत मिश्रा, महासचिव राहुल भाटिया एवं अमित पोरवाल,वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोज गुप्ता, संगठन महामंत्री फूल सिंह यादव, संजय खत्री कार्यालय मंत्री नवीन पोरवाल ,सचिव शैलेंद्र पोरवाल, सुनील वर्मा ,राजकुमार गुप्ता, धर्मवीर बंसल, डॉक्टर जेएस बेदी ,सुरेंद्र गर्ग ,रोहित श्रीवास्तव, कपिल शर्मा, अनुज कुमार, महेंद्र प्रजापति, अमित प्रजापति, राहुल शर्मा, रमेश प्रजापति, हनी पोरवाल,आशा पोद्दार, ममता तिवारी, उषा थापा, निमता नेगी, पूजा अवाना, किरण कुशवाहा, योग्यता मल्होत्रा, प्रमिला बिष्ट, रेनू बाला शर्मा, संतोष सिंह, नीतू यादव आदि बहुत से पदाधिकारियों ने इस अवसर अपने विचार रखे। एवं ऑनलाइन ट्रेडिंग के दुष्प्रभावों के बारे में कहा कि ऑनलाइन ट्रेडिंग के कारण बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। यही स्थिति रही तो अगले 5 से 10 वर्षों में यहां के व्यापारियों की भूखों मरने की स्थिति होगी आज के समय में ही छोटे छोटे कारोबारियों को दुकान का किराया एवं खर्चे निकालना मुश्किल हो रहा है।

बार -बार विज्ञापन देने के बावजूद आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होते कैसे डॉक्टरों की कमी दूर करें - डॉ. अरविन्द राजवंशी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के डायरेक्टर डॉ.अरविंद राजवंशी ने यह बात

पत्रकार सम्मेलन में कही।आज एम्स द्वारा पत्रकारों के समक्ष विगत 5 वर्षों का ब्यौरा प्रस्तुत किया।एम्स के अपर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. नीरज कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि 2018 से ओ.पी. डी. प्रारंभ की गई। उपलब्ध स्टाफ एवं संसाधन द्वारा वर्ष 2024 में 18839, आउट पेशेंट 515505, मरीजों का इलाज किया गया।इसी प्रकार 2024 दिसंबर तक 13571 आपरेशन किए गए। पैथोलॉजी 174757 तथा बायोकेमिस्ट्री में कुल 16,91742 जांचें की गई। उनके द्वारा सीमित संसाधनों से पूरे देश में 7वा स्थान प्राप्त किया। पत्रकारों द्वारा मरीजों व उनके सहयोगियों के सिक्योरिटी गार्डों द्वारा अभद्रता करने, वेड की अनुपलब्धता, सर्जरी हेतु लम्बा समय दिए जाने सम्बन्धी मुद्दे उठाए गए।एम्स प्रशासन द्वारा समस्त समाधान किए जाने का आश्वासन दिया गया।

दुकान में घुसकर तीन पेटी शराब और 45 हजार रुपये लूटे, विरोध करने पर सेल्समैन को पीटा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

आजगढ़ । आजगढ़ जिले में बदमाशों के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि रौनापार थाना क्षेत्र के केवटिया गांव में शराब की दुकान में घुसकर लूट की वारदात को अंजाम दिया। घटना को लेकर पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है। आजगढ़ जिले के रौनापार थाना क्षेत्र के केवटिया गांव में स्थित देशी शराब की दुकान में मंगलवार की सुबह बाइक सवार तीन से चार बदमाशों ने लूट की घटना को अंजाम दिया। बदमाशों ने न सिर्फ तीन पेटी शराब व 45 हजार रुपये लूटे बल्कि सेल्समैन के साथ मारपीट भी की। मौके पर पहुंची पुलिस घटना की जांच पड़ताल में जुट गई है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों को भी खंगाल रही है। जांच में सामने

आया है कि इन्हीं अभियुक्तों द्वारा बिलरियागंज में भी शराब के ठेके पर लूट की गई थी। एसपी ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि रौनापार थाना क्षेत्र के केवटिया गांव में स्थित देशी शराब की दुकान है। मंगलवार की सुबह करीब पांच बजे सूचना मिली कि कुछ बदमाश शराब की दुकान पर आए और तीन पेटी शराब व पेटी में रखे 45 हजार रुपये लूट लिए। वहां मौजूद सेल्समैन ने उनका विरोध किया तो उसे भी मारपीट कर फरार हो गए। लूट की सूचना मिलते ही रौनापार थाना प्रभारी व सीओ सगड़ी भी मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल में जुट गए। वहीं, एसपी ग्रामीण चिराग जैन भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि पुलिस घटनास्थल पर जांच पड़ताल कर रही है। आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं। बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए तीन टीम गठित की गई है।

अध्यक्ष ने रायबरेली से प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माणाधीन कार्यों का लिया जायजा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। अध्यक्ष भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एन0एच0ए0आई0) संतोष कुमार यादव के साथ जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने रायबरेली-प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माणाधीन कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण में एनएचएआई के अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि लगभग कार्य पूर्ण हो चुका है, छोटे-छोटे कार्य बचे है, जिनको शीघ्र ही पूर्ण कर लिया जाएगा, जिसके लिए एनएचएआई के अधिकारियों को शेष बचे निर्माणाधीन कार्यों को शीघ्र मानक के अनुरूप कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिये। अध्यक्ष एनएचएआई ने इस अवसर पर सभी निर्माण कार्यों को महाकुंभ के आयोजन से पहले पूर्ण करने के निर्देश दियें और कहा कि कार्यों में मानक और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। सड़कों में आवश्यकतानुसार साइनेज बोर्ड लगाये जायें। इस अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विशाल यादव,परियोजना निदेशक एनएचएआई नवरतन दीप सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण व कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहें।

जनपद के समस्त प्राथमिक/उच्च प्राथमिक विद्यालयों व आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आने वाले बच्चों का 14 जनवरी तक शीतकालीन अवकाश घोषित डीएम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने बताया कि वर्तमान में जनपद के समस्त प्राथमिक/उच्च प्राथमिक विद्यालयों में 14 जनवरी 2025 तक शीतकालीन अवकाश है। उन्होंने बताया कि अधिकांश आंगनबाड़ी केन्द्र प्राथमिक विद्यालयों में संचालित है और आंगनबाड़ी केंद्रों पर आने वाले बच्चे प्राथमिक विद्यालय के बच्चों से भी छोटे होते हैं। उन्होंने वर्तमान में शीतलहर के दृष्टिगत बच्चों के बचाव हेतु आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आने वाले बच्चों का 14 जनवरी 2025 तक अवकाश घोषित किया जाता है। जिलाधिकारी ने बताया कि उक्त घोषित अवकाश की अवधि में 03 से 06 वर्ष आयु के बच्चों की उपस्थिति केन्द्र पर नहीं होगी परन्तु जनपद के समस्त आंगनबाड़ी केन्द्र निर्धारित समयानुसार खुले रहेंगे तथा आंगनबाड़ी कार्यकत्री व सहायिका आंगनबाड़ी केन्द्र पर समय से उपस्थित रह कर आंगनबाड़ी केन्द्र पर दी जाने वाली सेवाएं यथा-अनुपूरक पुष्टाहार का वितरण, टीकाकरण, सामुदायिक गतिविधियों का आयोजन, पोषण ट्रैकर पर फीडिंग तथा 0-6 वर्ष के बच्चो की ग्रोथ मॉनिटरिंग आदि लाभार्थी परक सेवाएं आंगनबाड़ी केन्द्र के माध्यम से यथावत् करेंगी।

विकास खण्ड रोहनियां व ऊंचाहार की द्वितीय दिवस की खण्ड स्तरीय ग्रामीण युवक/महिला खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग के तत्वाधान में आयोजित उत्तर प्रदेश ग्रामीण खेल लीग के अंतर्गत विकास

खण्ड रोहनियां व विकास खण्ड ऊंचाहार की द्वितीय दिवस की खण्ड स्तरीय ग्रामीण युवक/महिला खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन ग्रामीण मिनी स्टेडियम सलोन में किया गया। विकास खण्ड स्तरीय प्रतियोगिता में बैटमिंटन एकल में मन्दीप प्रथम स्थान व आदित्य कुमार द्वितीय स्थान पर, बैडमिंटन डबल में रणवीर कुमार व मन्दीप प्रथम स्थान पर व अनूप कुमार व आशुतोष कमार द्वितीय स्थान पर रहे। भारत्तोलन में आदित्य प्रथम हिमांशू द्वितीय स्थान पर रहे तथा जूनियर वर्ग में सचिन प्रथम व अनूप कुमार द्वितीय स्थान पर रहे। जूड़ो प्रतियोगिता के अंकुश प्रथम व आदित्य द्वितीय स्थान पर रहे। फुटबाल सीनियर वर्ग प्रतियोगिता में ऊंचाहार की टीम विजेता रही। क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी रुचि शुक्ला ने खेलकुद में आए सभी विजेता खिलाड़ियों को मेडल प्रमाण पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

काशी में पहली बार होगा दिव्यांग क्रिकेट का महाकुंभ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

काशी। 16 से 18 फरवरी तक काशी में दिव्यांग क्रिकेट का महाकुंभ होगा। आईपीएल की तर्ज पर आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता में पूरे देश से 1000 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। पहली बार दिव्यांग क्रिकेट का महाकुंभ काशी में होगा। पूरे देश से 1000 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। ऑल इंडिया दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से टी-10 दिव्यांग प्रीमियर लीग (डीपीएल) सिगरा के डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में खेली जाएगी। प्रतियोगिता आईपीएल की तर्ज पर होगी। ऑल इंडिया दिव्यांग एसोसिएशन के अध्यक्ष उत्तम ओझा ने बताया कि एक राज्य से चार टीमें खेलेंगी। तीन दिवसीय प्रतियोगिता 16 से 18 फरवरी तक होगी। यूपी टीम ने अभ्यास शुरू कर दिया है। टीमों का आगमन 15 फरवरी से शुरू होगा। खिलाड़ियों को अलग-अलग होटल में ठहराया जाएगा। बताया कि ओलंपिक में दिव्यांग खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा से दिखा दिया है कि वह सामान्य खिलाड़ियों की तरह ही देश का मान बढ़ा सकते हैं।यूपी टी-10 टेनिस बॉल क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से सब जूनियर और फेडरेशन कप प्रतियोगिता सोमवार को डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में खत्म हुई। सब जूनियर वर्ग के सुपर ओवर में बिहार ने यूपी को हरा दिया। जबकि फेडरेशन कप में यूपी को हराकर कर्नाटक चैंपियन बना।

सोनभद्र, मिर्जापुर

बहन मायावती के जीवन संघर्ष एवं जन्म दिन की तैयारी हुई बैठक:विनोद बागड़ी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सोमवार को बहुजन समाज पार्टी के तत्वावधान में बैठक आहूत की गई जिसमें सामाजिक परिवर्तन की महानायिका बहन

मायावती राष्ट्रीय अध्यक्ष बहुजन समाज पार्टी पूर्व मुख्यमंत्री (ऊ0प्र0)पूर्व सांसद राज्यसभा के जन्मदिन (जन्मदिवस)पर 15 जनवरी 2025 को जनपद स्तरीय जनकल्याणकारी दिवस के रूप में कार्यक्रम का आयोजन किया गया है 15जनवरी 2025 को स्थान रामलीला मैदान राबर्ट्सगंज में आयोजित किया गया है। आज इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में विनोद बागड़ी मुख्य मण्डल प्रभारी मिर्जापुर मण्डल , राम विचार गौतम मुख्य मण्डल प्रभारी मिर्जापुर , मण्डल ओपी मौर्य मुख्य मण्डल प्रभारी मिर्जापुर , अविनाश शुक्ला मुख्य मण्डल प्रभारी मिर्जापुर , उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में मां हीरालाल साइन की पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष व जिला प्रभारी कमलेश कुमार गौड़ ,जिला प्रभारी प्रेमनाथ गौतम रहे । मुख्य अतिथि ने कहा कि 15 जनवरी 2025 बहुजन समाज के लिए एक ऐतिहासिक दिन है जो जनकल्याणकारी दिवस के रूप में मनाया जाता है बहन कुमारी मायावती के द्वारा किए गए कार्यों की उल्लेख किया जाता है और उनके संघर्षों के बारे में बताया जाता है बसपा सरकार में बहन कुमारी मायावती के द्वारा किए गए कार्य को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है जिससे बहुजन समाज पार्टी पुनः सरकार में वापस आ सके और सर्व समाज के मान-सम्मान सम्मान की रक्षा कर सके और दलित शोषित वंचित समाज के लिए तरह-तरह की योजनाओं को चलकर उन्हें महापुरुषों के सपनों को साकार कर सके। अविनाश शुक्ला ने कहा कि बहुजन समाज पार्टी सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय के तर्ज पर सर्व समाज के लिए जनकल्याणकारी योजनाओं को चलकर हर जाति धर्म मजहब के लोगों को मान सम्मान सुरक्षा प्रदान करने का काम किया है डॉक्टर ओ पी मौर्य ने कहा कि आज वर्तमान समय में पिछड़ा समाज जो सम्मान की जिंदगी जी रहा है प्रधान से लेकर प्रधानमंत्री तक पहुंचने का काम किया चपरासी दम तक जो बन रहा है वह बहुजन समाज पार्टी के द्वारा ही आज उनका मान सम्मान सुरक्षित जो बहुजन समाज में समय-समय से जन्मे संतो महापुरुषों के द्वारा उन्हें मान सम्मान स्वाभिमान दिया गया इसलिए बहुजन समाज पार्टी को बढ़-चढ़कर सत्ता में लाने की जिम्मेदारी पिछड़े समाज की है तभी सर्व समाज के हितों का सम्मान हो पाएगा। बैठक को सम्मानित करते हुए रामविचार गौतम ने कहा कि बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर मसीहा मान्यवर कांशीराम साहब के संघर्षों के बाल दौलत आज बहुजन समाज पार्टी पूरे भारत में शोषित वंचित समाज के लिए कार्य कर रही है उनके सपने को पूरा करने के लिए बहन कुमारी मायावती ने अपने जीवन को समर्पित कर दिया जिनके नेतृत्व में सोमवार को बहुजन समाज पार्टी पूरे भारत में संतो गुरु महापुरुषों के पद पर चलकर समाज के हित के लिए जनकल्याणकारी योजनाओं के साथ धरातल पर कार्य करने वाली पूर्व सीएम के जन्मदिन का आयोजन करके हम बहुजन समाज एवं सर्व समाज के लोग उनके किए गए कार्यों को जन जन तक पहुंचाने का काम करते हैं । बहन कुमारी मायावती की जितनी प्रशंसा किया जाए वह कम है बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष बी0 सागर ने कहा कि सभी सम्मानित पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं से विनम्र निवेदन है कि समय पर पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने में कोई कोई कमी ना छोड़े और अधिक से अधिक संख्या में पहुंचे और बहन के जन्मदिन को हर्षोल्लाह के साथ मनाने में अपनी भागीदारी निभाएं। जिसमें सभी जिला कमेटी विधानसभा कमेटी, सेक्टर कमेटी तथा बीवी एफ और बाम सेफ कमेटी एवं कार्यकर्ता गण सम्मिलित होंगे। अतः आप सभी से अनुरोध हैं की उपरोक्त बातों को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम को सफल बनावें। बैठक में उपस्थित लोग में प्रेम नाथ गौतम , कमलेश गोंड , जमुना चौधरी , शेष धर पाल, प्रीतम गिरी राजकुमार वर्मा रामचंद्र रत्ना कृष्ण कुमार गिरी उर्फ टाम बाबा, मोहन बाबू, बलवंत रंगीला गोपाल दास कौशल, राम लखन देहाती ,बाबूराम प्रजापति ,संदीप भारती, पप्पू संघर्ष ,मुन्ना भारती ,अनीश भारती, प्रदीप पांडे प्रीतम गिरी, पवन प्रधान, विद्या भारती, जनार्दन पटेल ,चंद्रकांत भारती,नारद राव ,राजू गुप्ता, विक्रम पटेल, मुमताज अली सहित सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक संपन्न, मिली जिम्मेदारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक जिला पार्टी कार्यालय सोनभद्र की गई जिसकी अध्यक्षता पार्टी जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने किया और संचालन जिला महासचिव मोहम्मद शईद कुरैशी ने किया । बैठक को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने कहा कि नव वर्ष की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं के साथ आप लोगों की जिम्मेदारी है कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की नीतियों को जनता पहुंचने का काम करें और संगठन को मजबूत करने का काम करें और मतदाता सूची को हर बूथ पर पहुंचने का काम करें और उसे अच्छी तरह से पढ़ लें कि जीस मतदाता का वोटर लिस्ट में नाम छूटा है उसे बडवाएं और जिन मतदाताओं का नाम फर्जी है उसको कटवाने का काम करें । श्री यादव ने कहा कि भाजपा की सरकार किसान नौजवान व्यापारी अल्पसंख्यक और हर गरीब के तबके की विरोधी सरकार है। इस सरकार से किसी

से कोई लेना देना नहीं है ।भाजपा सरकार में हत्या लूट बलात्कार घूसखोरी भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है । बैठक को संबोधित करते हुए सांसद छोटेलाल सिंह खरवार ने कहा कि हम लोगों की जिम्मेदारी है कि प्रत्येक कार्यकर्ता एवं आम जनता से मिलकर संगठन को और मजबूत करें और आगामी विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशियों को विजई बनाएं । बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय सचिव पूर्व विधायक पूर्व जिला अध्यक्ष अविनाश कुशवाहा एवं पूर्व विधायक रमेश चंद दुबे ने कहा कि हम लोगों की जिम्मेदारी है कि गांव गांव जाकर संगठन को मजबूत करें और समाजवादी पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएं बैठक को संबोधित करने वालों में मुख्य रूप से जिला महासचिव मोहम्मद शईद कुरैशी पूर्व जिला अध्यक्ष संजय यादव विजय यादव पूर्व प्रत्याशी ओबरा सुनील कुमार गौड़ पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अनिल कुमार यादव नगर पंचायत डाला अध्यक्ष कुमारी फुलवंती गौड़ अनिल प्रधान जिला उपाध्यक्ष वेदमणी शुक्ला रामप्यारे सिंह पटेल सुरेश यादव अशोक पटेल डॉक्टर लोकपति सिंह पटेल रमेश सिंह यादव विजय शंकर जायसवाल त्रिपुरारी गौड़ जिला कोषाध्यक्ष उदित अग्रहरि जिला प्रवक्ता रमेश कुमार वर्मा प्रकाश यादव विधानसभा अध्यक्ष बाबूलाल यादव हिदायत उल्ला खान परमेश्वर यादव अवध नारायण यादव जिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष बबलू धागर पवन पटेल सत्यम पांडे फारूक अली जिलानी कृपा शंकर चौहान परशुराम यादव प्रदीप कनौजिया ब्लॉक अध्यक्ष चंद्रभूषण यादव जयप्रकाश मौर्य अभिषेक प्रजापति संतोष पासवान मन्नू पांडे सूरज मिश्रा पीयूष यादव विमलेश पटेल रमेश चंद्र पांडे राजमणि शिवनाथ का एप्रोच खान तौफीक विपिन सरोज अमर सिंह खरवार शंभू नाथ निरंजन कुमार के साथ सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दुष्कर्म के दोषी लालबहादुर को 20 वर्ष की कठोर कैद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।साढ़े तीन वर्ष पूर्व बकरी चराने जंगल गई 9 वर्षीय नाबालिग

लड़की के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश / विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट सोनभद्र अमित वीर सिंह की अदालत ने मंगलवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी लालबहादुर को 20 वर्ष की कठोर कैद एवं 55 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर तीन माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि 55 हजार रुपये में से 40 हजार रूपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक जुगैल थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़िता के पिता ने 8 सितंबर 2021 को न्यायालय में धारा 156(3) सीआरपीसी के प्रार्थना पत्र में अवगत कराया था कि उसकी 9 वर्षीय नाबालिग बेटी 9 अगस्त 2021 को सुबह 10 बजे बकरी चराने जंगल गई थी। उसके साथ कई बच्चे भी बकरी चराने गए थे। जहां पर दोपहर करीब एक बजे उसकी नाबालिग बेटी को अकेला पाकर उसे लालबहादुर पुत्र हीरालाल निवासी चंचलिया टोला पनारी , थाना जुगैल, जिला सोनभद्र पकड़ लिया और गंदी हरकत करने लगा। जब वह चिल्लाने लगी तो बकरी चरा रहे बच्चे वहां आ गए तो लालबहादुर ने मारने के लिए दौड़ा लिया तो सभी डरकर भाग गए। उसके बाद लालबहादुर ने उसकी बेटी के साथ जबरन बलात्कार किया। चिल्लाने की आवाज सुनकर कई लोग आ गए तो जान मारने की धमकी देकर लालबहादुर भाग गया। जब बेटी घर आई तो घटना की जानकारी दी। इसकी सूचना थाने पर दिया, लेकिन पुलिस कार्रवाई करने की बजाय समझौता कराने लगी। तब रजिस्टर्ड डाक से एसपी सोनभद्र को शिकायती पत्र भेजा, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। 8 अक्तूबर 2021 के न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने 16 अक्तूबर 2021 को एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया।

भाकपा की बैठक में पार्टी की स्थापना के शताब्दी वर्ष 2025 मना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सोमवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी जिला कौंसिल के सदस्यों की नव वर्ष की पहली बैठक पटवध स्थित जिला क्षेत्रीय कार्यालय पर संपन्न हुई। बैठक से

पूर्व भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के उपस्थित जिला कौंसिल सदस्यों द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और पार्टी के वरिष्ठ नेता कामरेड अनंत कुमार आनंद के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दिया गया। तत्पश्चात पार्टी के सीनियर कामरेड बसावन गुप्ता जी (पूर्व सीमेंट कर्मचारी नेता) की अध्यक्षता में हुई बैठक में पार्टी के जिला सचिव कामरेड आर के शर्मा ने नव वर्ष की शुभकामनाए देते हुए पार्टी की वर्ष 2024 के कार्यों की रिपोर्टिंग और पार्टी के स्थापना के शताब्दी वर्ष पर 26 दिसंबर को कानपुर में संपन्न हुए शुभारंभ समारोह की रिपोर्ट को रखा और कहा कि यह वर्ष पार्टी के शताब्दी वर्ष का वर्ष है पार्टी की स्थापना 25-26 दिसंबर को सन् 1925 में कानपुर के ऐतिहासिक भवन मजदूर सभा भवन में हुई है, जिसका स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर अब तक एक गौरवशाली इतिहास है। किसानों, मजदूरों, नौजवानों के हक़ और मौलिक अधिकारों को लेकर पार्टी निरंतर संघर्ष में है। ग्रामीण को रोजगार के लिए मनरेगा, भूमिहीनों गरीबों के लिए वनाधिकार कानून, सूचना का अधिकार, सभी को राशन के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली, मजदूरों के लिए श्रम कानून, बैंकों का राष्ट्रीयकरण कराना आदि तमाम उदाहरण है जिसके लिए भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के लोगों ने कुर्बानी दी और कम्युनिस्ट पार्टी ने लंबे समय तक आंदोलन चलाया है और सफलता भी मिली है । लेकिन वर्तमान सरकार द्वारा मजदूरों के श्रम कानूनों में संशोधन, सार्वजनिक क्षेत्रों का निजीकरण, मनरेगा के बजट में लगातार कटौती, किसानों के सवालों की अनदेखी और बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं का भी निजीकरण करने का लगातार प्रयास किया जा रहा है जिसको रोकने के लिए लाल झंडे के लोग खेत से लेकर कारखाने तक लगातार संघर्षरत है और वर्तमान सरकार द्वारा कार्पोरेट घरानों को लाभ पहुंचाने वाली निजीकरण करने वाली मंशा को कामयाब नही होने दिया जाएगा, आंदोलन से ही कम्युनिस्ट पार्टी की पहचान है । आर के शर्मा ने आगे कहा इस बृहद क्षेत्रफल वाले जनपद में जो कि आदिवासी व वनवासी बाहुल्य है यहां सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार का बोलबाला है, जरूरतमंदों को इन सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा जिसके लिए कम्युनिस्ट पार्टी लोगों को लामबंद कर उनके सवालों के समाधान हेतु आंदोलन चलाएगी , जिसकी शुरुआत 20 फरवरी को जनपद के सबसे बड़े विकास खंड कार्यालय चोपन से किया जाएगा। इसके बाद सभी ब्लाक कार्यालयों पर प्रदर्शन करने रणनीति तय होगी। वर्ष के अंतिम माह दिसंबर में विकास भवन और जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन भी किया जाएगा। भाकपा के पूर्व जिला सचिव कामरेड राम रक्षा ने कहा कि पार्टी स्थापना की सौवीं वर्षगांठ पर जनपद के सभी ब्लाकों के अंतर्गत पार्टी के कम से कम सौ सक्रिय सदस्यों को बनाने का लक्ष्य ही पार्टी शताब्दी वर्ष का सार्थक होगा और लक्ष्य को हासिल किया जाएगा। जिसका उपस्थिति कौंसिल सदस्यों ने समर्थन का स्वागत किया और उपस्थित कौंसिल सदस्यों ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

आपदा मित्रों ने सांसद छोटेलाल सिंह खरवार का किया स्वागत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए सांसद छोटेलाल सिंह खरवार ने कहा कि आपदा मित्रों द्वारा जो मांग मुझे दिया गया

था उसे मैं शीतकालीन सत्र के सदन में उठाने का काम किया जिसमें सरकार द्वारा घोषित 5 लाख का बीमा लागू करते हुए बीमा की राशि 30 लाख रुपए की जाए सभी आपदा मित्र एवं आपदा सखी को राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का कर्मचारी घोषित किया जाए सभी आपदा मित्र एवं आपदा सखी को न्यूनतम वेतनमान 26000 रुपए की गारंटी की जाए सभी आपदा मित्र एवं आपदा सखी को स्वास्थ्य बीमा ई एफ आई पी एफ सहित अन्य सुविधा देकर सामाजिक सुरक्षा की गारंटी किया जाए किसी प्रकार के आपदा की जानकारी एवं सूचना के लिए स्मार्टफोन दिया जाए सभी आपदा मित्र एवं आपदा सखी का सेवा पंजिका निर्मित किया जाए अन्य राज्यों की भांति 12 दिवसीय प्रशिक्षण का ?400 प्रतिदिन के दर से 4800रु का तत्काल भुगतान किया जाए अन्य राज्यों की भांति अब तक जितनी दिवसीए ड्यूटी कराई गई है ?800 प्रति दिन के दर से तत्काल भुगतान किया जाए अभी तक जितने आपदा मित्र एवं आपदा सखी अपनी जान गंवाई है उनके आश्रितों को 20 लख रुपए का मुआवजा प्रदान किया जाए अभी तक जान गवाने वाले आपदा मित्र एवं आपदा सखी को शहीद का दर्जा देकर सम्मानित किया जाए सरकार द्वारा प्रशिक्षित आपदा मित्र एवं आपदा सखी को प्रशिक्षण के उपरांत 15000रु माह बेरोजगारी भत्ता दिया जाए आपदा जागरूकता आपदा कार्य अन्य माध्यमों से सरकार संचालित कर रही है उसे आपदा मित्र एवं आपदा सखी के माध्यम से संचालित किया जाए सभी आपदा मित्र आपदा सखी के लिए जिला एवं तहसील स्तर पर आपदा मित्र कार्यालय बनाया जाए किसी प्रकार के आपदा में फंसे व्यक्ति को सुरक्षित निकालने के लिए तहसील स्तर पर आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जाए एवं समय-समय पर प्रशिक्षित किया जाए अभी तक 5 लाख के बीमा स्लीप को जो आपदा मित्र वह आपदा सखी पाने से वंचित रहे रहे हैं कृपया उन आपदा मित्र व आपदा सखी को 5 लाख रुपए की बीमा इसलिए तत्काल दिया जाए । इन सभी मांगों को हमने सदन में उठाने का काम किया । आगे भी आप लोगों की लड़ाई लड़ते रहेंगे।समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव एक ऐसे नेता है जो हर वर्ग की लड़ाई लड़ने का काम कर रहे हैं और नौजवानों की भी लड़ाई लड़ने का काम कर रहे हैं इसलिए आप लोगों से अनुरोध है कि आप लोग समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के हाथों को मजबूत करें और उनके नीतियों को जनता तक पहुंचाएं जिससे आप लोगों की हक की लड़ाई समाजवादी पार्टी लड़ सके । नेशनल आपदा मित्र संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप कुमार ने कहा कि सांसद छोटेलाल खरवार का सम्मान इसलिए करने आए हैं कि छोटेलाल खरवार ही मात्र एक ऐसे सांसद हैं जो 2016 से लेकर अब तक 105900 बनाए गए आपदा मित्रों के चुनौतियां एवं समस्याओं को सदन में आपदा प्रबंधन प्राधिकरण 2005 के संशोधित विधेयक 2024 पर आपदा मित्रों की मांग पत्र को बहुत ही बेबाकी से रखें जब से सांसद सदन में आपदा मित्रों के मुद्दे को उठाया है आपदा मित्रों एवं सखियों को एक आशा एवं विश्वास जगा और पूरे देश की आपदा मित्रों एवं आपदा सखियां सांसद की आभार व्यक्त कर रही हैं । सोशल मीडिया एवं सांसद जी के भाषण को पूरे देश के आपदा मित्रों एवं सखियों ने देखा और शेयर किया पूरा देश के आपदा मित्रों एवं सखियों को मैं देखा कि 12 दिसंबर2024 को केवल सांसद जी की बात कर रहे थे । इसलिए सैकड़ो आपदा मित्रों एवं आपदा सखियों ने सोमवार को रावटसगंज सोनभद्र के समाजवादी पार्टी कार्यालय पर सांसद छोटेलाल सिंह खरवार को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया । इस मौके पर मुख्य रूप से समाजवादी पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष श्याम बिहारी यादव जिला महासचिव मोहम्मद शईद कुरैशी अनिल प्रधान जिला उपाध्यक्ष अशोक पटेल त्रिपुरारी गौड़ सनी पटेल एवं आपदा मित्र के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप कुमार राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी वीरेंद्र सिंह यादव प्रदेश अध्यक्ष रामवचन राजभर प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक घमंडी त्रिपाठी प्रदेश सचिव प्रवीण कुमार पटेल जिला अध्यक्ष सोनभद्र मनीष सिंह राजपूत राजेश कुमार देवरिया जिला अध्यक्ष अजीत सिंह यादव गाजीपुर जिला अध्यक्ष संजय कुमार भारती कुशीनगर जिला अध्यक्ष संतोष कुमार गुप्ता महाराजगंज जिला अध्यक्ष अरविंद यादव संत कबीर नगर अध्यक्ष राजवंत यादव ललई प्रसाद भारतीय मंगला देवी अनीता देवी आरती गुंजा आरती प्रवीण कुमार पटेल अजय विष्णु मदनलाल राजवंत गंगासागर महेश मुकेश रोशन किशन संजय अरविंद राम आशीष अजीत चंदन बृजेश अजय संतोष मनीष आकाश राजेश रंजीत राहुल प्रेम प्रकाश कमलेश परमेश्वर मुकेश के साथ सैकड़ो आपदा मित्र उपस्थित थे।

लापरवाह अधिकारियों और कर्मचारियों की तैयार करे सूची

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। राबर्ट्सगंज के सिंचाई डाक बंगले में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी की मासिक बैठक हुई। इस दौरान मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश यादव और पूर्वांचल के संगठन मंत्री राजेंद्र पटेल ने सुरेंद्र जायसवाल समेत कई लोगो को पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराया। राजेश यादव ने कहा कि पार्टी के मुखिया ओमप्रकाश राजभर हमेशा गरीबों तबके लोगों के उत्थान के लिए कार्य कर रहे हैं। उसी का परिणाम है कि लगातार संगठन से लोग भारी संख्या में जुड़ रहे हैं।उन्होंने कहा कि अगर कोई अधिकारी कर्मचारी किसी व्यक्ति का उत्पीड़न करता है तो इसकी शिकायत उन लोगों तक पहुंचाए, ताकि मंत्री जी के संज्ञान लाकर सरकार की मंशा विपरीत कार्य करने वाले हैं।अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई कराई जा सके। नेताओं ने संगठन को मजबूत बनाने के लिए भी टिप्स दिया। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष मनोज पांडे ने किया। इस मौके पर सत्य प्रकाश पांडे, अजय पटेल, सुरेंद्र जायसवाल, रामजी पाठक, संजय कुमार , अनुराग बियार, बाबूलाल मौर्य,सोनमती आदि मौजूद रहे।

भारतीय किसान युनियन अराजनैतिक ने किया विरोध प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। कलेक्ट्रेट परिसर में मंगलवार को भारतीय किसान युनियन (अराजनैतिक) जिला सोनभद्र के कार्यकर्ताओं द्वारा अपने 14 सूत्री मांग पत्र को लेकर राष्ट्रपति नामित ज्ञापन जिलाधिकारी प्रतिनिधि को देखकर बुलंद की आवाज। वही प्रदेश उपाध्यक्ष संत श्यामसुंदर दास ने बताया कि हमारी विभिन्न प्रकार की मांगे हैं जिनमे 1. सोनभद्र जिले के जिस ग्राम सभा के चकबन्दी नहीं हुई है, चकबन्दी कराया जाय। 2. मीरजापुर जिले के जिस ग्राम सभा के चकबन्दी नहीं हुई है, चकबन्दी कराया जाय। 3. सोनभद्र जिले के जिस ग्राम सभा में भूमि आवंटन की सुकृत सुदा सूची पत्रावली को उच्चाधिकारियों शासन प्रशासन द्वारा चौपाल लगाकर गरीब पात्र व्यक्तियों का निरस्त पट्टे को सत्यापन कराते हुए पात्र व्यक्तियों का पट्टा बहाल किया जाय। 4. सोनभद्र जिले में प्रधान मंत्री आवास सूची में जो में नाम नहीं है पात्र व्यक्तियों का नाम जोड़ा जाय। 5. वृद्धा व बिधवा विकलांग पेंशन को पाँच हजार रूपये महीना कर दिया जाना चाहिए। 6. करमा सिरविट से झकाहीं मार्ग को चौड़ी करण पक्की किया जाय। 7. एल0के0जी0 से 18 साल तक के बच्चों को सभी स्कूलों में निःशुल्क शिक्षा दिया जाय एवं 18 वर्ष से ऊपर के सभी माताओं, बहनों एवं भाईयों को 5,000/-रूपया प्रतिमाह दिलाया जाय। 8. सम्पूर्ण भारत के किसान मजदूरों का बिजली बिल

माफ किया जाय। 9. सम्पूर्ण भारत के किसान मजदूरों का सम्पूर्ण कर्ज माफ किया जाय। 10. सम्पूर्ण भारत के सभी महिलाओं को रोडवेज से यात्रा करने के लिए निःशुल्क करायी जाय। 11. भारतीय रेलयात्रा में किसान मजदूर महा पंचायत में भाग लेने जाते हैं तो रेलवे विभाग के कुछ कर्मचारियों द्वारा अभद्र व्यवहार किया जाता है तो उन रेलवे विभाग के कर्मचारियों के ऊपर तत्काल कार्यवाही किया जाय। 12. सोनभद्र जिला व मीरजापुर मण्डल जिले के सभी गांवों अन्त्योदय कार्ड में धांधली हुई है गरीब पात्र व्यक्ति छुट गये हैं। उन विकलांग लोगों को अन्त्योदय कार्ड जारी कराया जाय। 13. सोनभद्र जिले व मीरजापुर मण्डल जिले में कुछ स्थानों पर भूमि माफियाओं द्वारा जबरन भूमि कब्जा किया जा रहा है, चारागाह श्रेणी 6 की भूमि को खाली कराया जाय। 14. दबंग सरहंग द्वारा पुलिस उत्पीड़न किया जा रहा है, फर्जी मुकदमों को समाप्त किया जाय। 15. लूसा स्टेशन से घोरावल शिवद्वार होते हुए चितरंगी तक जा रहे जो रेल लाईन सर्वे किया गया है, उस रेलवे लाइन को प्रारम्भ किया जाय। 16. धंघरौल बांध को समय-समय पर पानी किसानों को खेती सिंचाई करने के लिए खोली जाय एवं हेड से टेल तक नहर ध्वस्त हो गयी है जिसे तत्काल मरम्मत किया जाय। बर्दियां जोगेन्द्रा बांध मनमानी ढंग से खोला जा रहा है, वहां पर एक सिंचाई कार्यकर्ता नियुक्त किया जाय। जिससे किसानों को सिंचाई करने में दिक्कत न हो। 17. नाबालिग लड़कियों का अपहरण करके रेप करना व गवाहों को अवैध तरीके से गैंग गिरोह होकर अपने कब्जे में करने वाले दबंग सरहंग व्यक्तियों के खिलाफ कठोर दण्डात्मक कानूनी कार्यवाही करने के सम्बन्ध में। 18. पुलिस के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही जो दबंगों व बदमाशों के साथ मिलकर न्याय दिलाने में सक्षम नहीं है। इस मौके पर फौजदार रमन विमला देवी प्रभा काशीनाथ सुदर्शन अटवारिया प्रभा कांति कुलझारी विकास सहित आदि लोग मौजूद रहे।

स्पोर्ट्स

16 साल की अनहत ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, ब्रिटिश जूनियर ओपन स्क्वैश का खिताब जीता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। बीते वर्ष वह अंडर-17 वर्ग के फाइनल में पहुंची थीं, लेकिन उन्हें यहां हार मिली थी। 2022 में अनहत राष्ट्रमंडल खेलों में भाग लेने वाली देश की सबसे युवा खिलाड़ी बनी थीं। अनहत ने एशियाई खेलों और एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य जीता है। वर्तमान में उनकी विश्व रैंकिंग 82 है। देश की उभरती स्क्वैश खिलाड़ी 16 वर्षीय अनहत सिंह ने अंडर-17 ब्रिटिश ओपन जूनियर स्क्वैश टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया। शीर्ष वरीय अनहत ने फाइनल में मिस्र की दूसरी वरीय मलिका अल कराक्सी को एक सेट से पिछड़ने के बाद 4-11, 11-9, 6-11, 11-5, 11-3 से हराया। अनहत इससे पहले यहां अंडर-11 और अंडर-15 वर्ग का खिताब जीत चुकी हैं। बीते वर्ष वह अंडर-17 वर्ग के फाइनल में पहुंची थीं, लेकिन उन्हें यहां हार मिली थी। 2022 में अनहत राष्ट्रमंडल खेलों में भाग लेने वाली देश की सबसे युवा खिलाड़ी बनी थीं। अनहत ने एशियाई खेलों और एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य जीता है। वर्तमान में उनकी विश्व रैंकिंग 82 है।13 मार्च 2008 को दिल्ली में जन्मीं अनहत के पिता गुरशरण सिंह पेशे से वकील हैं। वहीं, मां तानी सिंह इंटीरियर डिजाइनर हैं। अनहत की बड़ी बहन अमीरा भी स्क्वैश प्लेयर हैं। वह अंडर-19 लेवल पर भारत की शीर्ष खिलाड़ियों में रह चुकी हैं। अमीरा स्नातक की डिग्री हासिल करने के बाद फिलहाल हार्वर्ड विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रही हैं। वह अभी हार्वर्ड महिला टीम के लिए स्क्वैश खेलती हैं। अनहत को स्क्वैश से पहले बैडमिंटन पसंद था। वह पीवी सिंधु को खेलता देख बड़ी हुई हैं। छह साल की उम्र में अनहत ने दिल्ली में पीवी सिंधु को खेलते देखा। तब सिंधु इंडिया ओपन में हिस्सा ले रही थीं। इसके बाद अनहत ने भी बैडमिंटन में भविष्य बनाने का सोचा। इस दौरान उन्होंने दिल्ली में कुछ युवा स्तर के टूर्नामेंट भी जीते। हालांकि, अपनी दीदी अमीरा के नक्शेकदम में चलते हुए उन्होंने आठ साल की उम्र से नियमित रूप से स्क्वैश खेलना शुरू कर दिया। तब से लेकर अब तक अनहत स्क्वैश खेल रही हैं। इसके बाद कुछ ही समय में अनहत अंडर-11 और अंडर-13 में नंबर एक खिलाड़ी बन गईं। उन्होंने 2019 में अंडर-11 लेवल पर भारत के लिए पहली बार प्रतिष्ठित ब्रिटिश ओपन स्क्वैश टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक हासिल किया। इस खिताब के बाद अनहत ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा था। इसी साल अनहत ने एशियाई जूनियर चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। साल 2020 में उन्होंने ब्रिटिश और मलेशिया जूनियर ओपन टूर्नामेंट में रजत पदक जीता था। अनहत ने पिछले साल फिलाडेल्फिया में आयोजित यूएस ओपन 2021 जूनियर (अंडर -15) स्क्वैश टूर्नामेंट भी जीता था। वह किसी भी आयु वर्ग में यूएस ओपन स्क्वैश टूर्नामेंट में चैंपियन बनने वाली पहली भारतीय महिला बनी थीं। इसके बाद साल 2022 में तो अनहत ने कमाल ही कर दिया। यह उनका अब तक का सबसे अच्छा सीजन रहा। उस साल जून में थाईलैंड एशियाई जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप (अंडर-15) में अनहत ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इतना ही नहीं चेन्नई में हुए नेशनल कैंप में उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए भारतीय स्क्वैश टीम में जगह बनाई।

सबालेंका की खिताब के साथ 2025 की शुरुआत, ब्रिसबेन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में कुदरमेतोवा को हराया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। सबालेंका की कोशिश अब 12 जनवरी से शुरू हो रहे लगातार तीसरे ऑस्ट्रेलियाई ओपन के खिताब को जीतने की होगी। लगातार दो बार की विजेता सबालेंका अगर ऐसा कर पाती हैं तो स्विटजरलैंड की मार्टिन हिंगिस के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली खिलाड़ी होंगी। हिंगिस ने 1997 से 1999 तक लगातार तीन बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीता था। ब्रिसबेन में बीते वर्ष सबालेंका को फाइनल में कजाखस्तान की एलीना रिबाकीना के हाथों हार मिली थी।सबालेंका ने कुदरमेतोवा के खिलाफ धीमी शुरुआत की। उन्होंने दो बार सर्विस गंवाकर पहला सेट खोया। विश्व नंबर 107 कुदरमेतोवा ने बेसलाइन से अपने जोरदार स्ट्रोक से सबालेंका को परेशान करके रखा। हालांकि अगले दो सेटों में सबालेंका ने तेज ग्राउंड स्ट्रोक से दबदबा बना लिया। सबालेंका ने भी कहा, कुदरमेतोवा ने शानदार टेनिस खेली। वह फाइनल में खेलने की हकदार थीं और जिस तरह वह टेनिस खेल रहीं, अगर वह ऐसा ही करती रहीं तो जल्द शीर्ष 50 में होंगी। यह शानदार मैच था और मैं इसे जीतकर बेहद खुश हूं।चेक गणराज्य के जीरी लेहका ने पुरुष एकल का खिताब जीत लिया। फाइनल में जब वह 4-1 की बढ़त पर थे। उस दौरान अमेरिकी रीली ओपेल्का ने कलाई में चोट के चलते मुकाबला छोड़ दिया। छह फुट 11 इंच लंबे ओपेल्का ने क्वार्टर फाइनल में जोकोविच को हराकर उलटफेर किया था और सेमीफाइनल में पेरीकार्ड को हराने के दौरान उनकी कलाई में समस्या आई। ओपेल्का का 2022 में कूल्हे का आपरेशन हुआ था और उन्होंने हाल ही में टेनिस कोर्ट पर वापसी की है। लेहका को सेमीफाइनल में दूसरी वरीय ग्रिगोर दिमित्रोव के हाथों वॉक ओवर मिला था, जब वह 6-4, 4-4 की बढ़त पर थे।

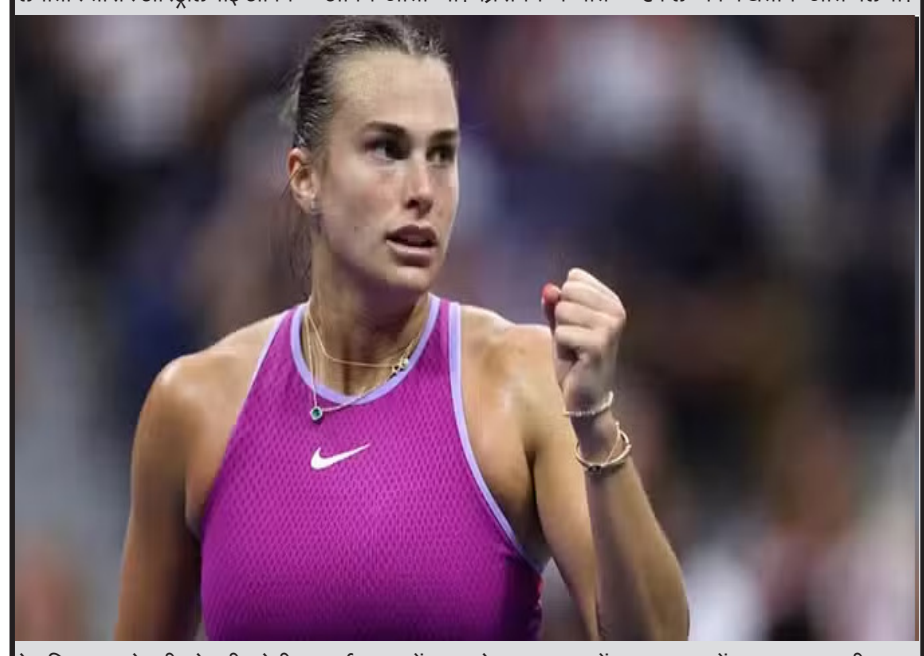

एशियाड स्वर्ण विजेता बहादुर सिंह होंगे नए एएफआई अध्यक्ष, अंजू बॉबी जॉर्ज होंगी वरिष्ठ उपाध्यक्ष

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। सिडनी और एथेंस ओलंपिक में खेल चुके बहादुर को सात और आठ जनवरी को होने वाली सालाना आमसभा में निर्विरोध अध्यक्ष चुना जाएगा। बुसान एशियाई खेलों में देश को स्वर्ण दिलाने वाले शॉटपुटर पद्मश्री बहादुर सिंह सागू भारतीय एथलेटिक महासंघ के नए अध्यक्ष होंगे। वह पूर्व ओलंपियन आदिल सुमारीवाला की जगह लेंगे। 67 वर्षीय सुमारीवाला के तीन कार्यकाल पूरे हो चुके हैं और वह आगे चुनाव नहीं लड़ सकते हैं।51 वर्ष के सागू ने 2002 बुसान एशियाई खेलों में शॉटपुट में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने 2000 और 2004 ओलंपिक खेलों में भी भाग लिया । वह एथलीट आयोग प्रतिनिधि के तौर पर निवर्तमान कार्यकारी परिषद के सदस्य भी हैं। दो दिवसीय एजीएम में अगले चार साल के लिए नए पदाधिकारियों का चयन किया जाएगा। वह सीनियर चयन समिति के भी सदस्य हैं। बाकी पदों के लिये चुनाव नहीं होंगे। संदीप मेहता को सचिव चुना जाएगा। वह निवर्तमान कार्यकारी परिषद में सीनियर संयुक्त सचिव थे।उनके कार्यकाल में नीरज चोपड़ा ने ओलंपिक का स्वर्ण और रजत जीता। सिडनी और एथेंस ओलंपिक में खेल चुके बहादुर को सात और आठ जनवरी को होने वाली सालाना आमसभा में निर्विरोध अध्यक्ष चुना जाएगा। विश्व चैंपियनशिप की पदक विजेता अंजू बॉबी जॉर्ज को वरिष्ठ उपाध्यक्ष चुना जाएगा। वह अध्यक्ष के लिए दावेदारी पेश कर रही थीं, लेकिन उन्होंने नाम वापस ले लिया, जिसके चलते निर्विरोध चुनाव का रास्ता साफ हुआ।1998 के एशियाड में दो स्वर्ण जीतने वाली ज्योर्तिमय सिकदर संयुक्त सचिव बनेंगी, जबकि तेलंगाना के स्टानले जोंस कोषाध्यक्ष होंगे। संदीप मेहता एएफआई के नए महासचिव होंगे। 2010 के गुआंग झू एशियाड की स्वर्ण विजेता सुधा सिंह और 100 मीटर में राष्ट्रीय कीर्तिमानधारी रचिता मिस्त्री, हरजिंदर सिंह और प्रियंका भनोट कार्यकारिणी सदस्य होंगी। बहादुर सिंह की अगुआई में 2036 तक के ओलंपिक की रूपरेखा खींची जाएगी।

खो-खो को बढ़ावा देने के लिए ओडिशा सरकार ने उठाया बड़ा कदम, तीन साल के प्रायोजन का एलान किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम के साथ सफल प्रायोजन के बाद खो-खो के लिए 15 करोड़ रुपये का प्रायोजन खेल विकास के लिए माझी ने कहा कि राज्य जनवरी 2025 से दिसंबर 2027 तक सालाना पांच करोड़ रुपये का निवेश करेगा। ओडिशा खनन निगम के माध्यम से वित्त पोषण प्रदान किया जाएगा। ओडिशा की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस पहल का उद्देश्य खो-खो की स्थिति को ऊपर उठाना और राष्ट्रीय टीम को आवश्यक सहायता प्रदान करना है। ओडिशा सरकार ने देश में स्वदेशी खेलों को बढ़ावा देने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए सोमवार को भारतीय राष्ट्रीय खो-खो टीम के साथ तीन साल के प्रायोजन की घोषणा की। मुख्यमंत्री मोहन चरण भारतीय हॉकी टीम के साथ सफल प्रायोजन के बाद खो-खो के लिए 15 करोड़ रुपये का प्रायोजन खेल विकास के लिए ओडिशा की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस पहल का उद्देश्य खो-खो की स्थिति को ऊपर उठाना और राष्ट्रीय टीम को आवश्यक सहायता प्रदान करना है। माझी ने कहा, यह भारत में खो-खो के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। अपने स्वदेशी खेलों का समर्थन करके हम अपनी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के साथ खिलाड़ियों के लिए नए अवसर भी पैदा कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, जिस तरह हमने भारतीय हॉकी को बदलने में भूमिका निभाई है उसी तरह हम खो-खो को भी फिर से लोकप्रिय बनाने के लिए कदम उठा रहे है। यह ओडिशा को खेल उत्कृष्टता के उत्प्रेरक के रूप में स्थापित करता है। भारतीय खो-खो महासंघ के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने इस पहल का स्वागत किया। भारत इस महीने 13 से 19 जनवरी तक नई दिल्ली में पहले खो-खो विश्व कप की मेजबानी करेगा। मित्तल ने कहा, खो-खो के प्रति ओडिशा की प्रतिबद्धता इस पारंपरिक खेल के लिए एक अहम मोड़ की तरह है। यह प्रायोजन विश्व स्तरीय खिलाड़ियों को विकसित करने और वैश्विक मंच पर खो-खो को बढ़ावा देने की हमारी क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि करेगा।यह प्रायोजन के विकास, प्रशिक्षण के बुनियादी ढांचे और राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भागीदारी की सुविधा को मजबूत करेगा।

किरण जाधव ने लक्ष्य कप में एयर राइफल का स्वर्ण पदक जीता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। जाधव ने महाराष्ट्र के गजानन खानदागले (250.9) और महाराष्ट्र के ही मोहित गौड़ा (229.3) को पछाड़कर स्वर्ण पदक जीता। नौसेना के किरण जाधव ने कई जाने-माने निशानेबाजों को पछाड़ते हुए 15वें लक्ष्य कप आमंत्रण टूर्नामेंट में 10 मीटर एयर राइफल का स्वर्ण पदक जीता। वर्ष 2018 से हर बार फाइनल में जगह बनाने वाले 29 साल के जाधव ने 251.7 अंक के साथ पहली बार खिताब जीता।जाधव ने महाराष्ट्र के गजानन खानदागले (250.9) और महाराष्ट्र के ही मोहित गौड़ा (229.3) को पछाड़कर स्वर्ण पदक जीता। पेरिस ओलंपिक के फाइनल में जगह बनाने वाले रेलवे के अर्जुन बबूता खिताब के प्रबल दावेदार माने जा रहे थे लेकिन वह 208.2 अंक के साथ चौथे स्थान पर रहे। पुरुष और महिला राष्ट्रीय एयर राइफल चैंपियन क्रमशः साहु माने और अनन्या नायडू फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे।

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में उमड़ी दर्शकों की भीड़, रवि शास्त्री और रिकी पोंटिंग ने उत्साह को सराहा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत का एक दशक से चला आ रहा दबदबा रविवार को समाप्त हो गया। ऑस्ट्रेलिया ने पांच टेस्ट मैच की सीरीज 1-3 से जीती। इस सीरीज को देखने के लिए 837,000 दर्शक स्टेडियम पहुंचे जो नया रिकॉर्ड है। रवि शास्त्री और रिकी पोंटिंग ने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान दर्शकों की रिकार्ड संख्या की सराहना की है। दोनों ने का मानना है कि बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी क्रिकेट की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता के रूप में एशेज को पीछे छोड़ सकती है। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत का एक दशक से चला आ रहा दबदबा रविवार को समाप्त हो गया। ऑस्ट्रेलिया ने पांच टेस्ट मैच की सीरीज 1-3 से जीती। इस सीरीज को देखने के लिए 837,000 दर्शक स्टेडियम पहुंचे जो नया रिकॉर्ड है।भारत के पूर्व कोच शास्त्री ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि आधुनिक युग में दोनों टीमों के बीच प्रतिद्वंद्विता असाधारण है। शास्त्री ने 'द आईसीसी रिव्यू' में कहा, एक आंकड़ा सामने आता हैः मेलबर्न टेस्ट मैच में 375,000 लोग गेट से होकर आए, जिसने 90 साल पहले के 350,000 के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। पिछला रिकॉर्ड तब का था जब डॉन ब्रैडमैन खेला करते थे। यह नया आंकड़ा मौजूदा समय की तमाम सुविधाओं के बीच आया है जिसने नए मानदंड स्थापित कर दिए हैं। जब टेलीविजन है, जब ओटीटी प्लेटफॉर्म है।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं	आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे	किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।	आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।
आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।	नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे है तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।	आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते है। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।	आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।
स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।	आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।	आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।	मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

मुक्केबाजी को ओलंपिक में बनाए रखने के लिए लवलीना ने उठाई आवाज, कहा- सही निर्णय की जरूरत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। लवलीना अब विश्व मुक्केबाजी (वर्ल्ड बॉक्सिंग) की नवगठित एशियाई इकाई के एथलीट आयोग का हिस्सा हैं। लवलीना ने साइ (भारतीय खेल प्राधिकरण) मीडिया से कहा- इस समिति में होना सौभाग्य की बात है क्योंकि निर्णय लेने में अब भारत की आवाज भी सुनी जाएगी मुक्केबाजी का जब ओलंपिक खेल के रूप में भविष्य अधर में लटका हुआ है तब भारत की स्टार मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने रविवार को इस खेल को 2028 में लॉस एंजिलिस में होने वाले ओलंपिक खेलों में बनाए रखने के लिए सभी उचित कदम उठाने की अपील की। मुक्केबाजी को लॉस एंजिलिस ओलंपिक के शुरुआती कार्यक्रम में जगह नहीं मिल पाई और इस खेल को ओलंपिक में बनाए रखने के लिए प्रयास जारी हैं।लवलीना अब विश्व मुक्केबाजी (वर्ल्ड बॉक्सिंग) की नवगठित एशियाई इकाई के एथलीट आयोग का हिस्सा हैं। लवलीना ने साइ (भारतीय खेल प्राधिकरण) मीडिया से कहा- इस समिति में होना सौभाग्य की बात है क्योंकि निर्णय लेने में अब भारत की आवाज भी सुनी जाएगी। उन्होंने कहा कि मुक्केबाजी की तकनीकी पहलुओं विशेष रूप से स्कोरिंग और जजिंग की निष्पक्ष आत्मनिरीक्षण करने की आवश्यकता है। लवलीना ने कहा- अभी तक भारत सिर्फ एक सामान्य सदस्य था जिसके पास विरोध जताने या व्यवस्था में खामी बताने के बहुत कम मौके होते थे। यह अब बदलने जा रहा है क्योंकि एशियाई निकाय में हमारे पास सात पद होंगे। उन्होंने कहा- यह उन खिलाड़ियों के लिए बहुत फायदे वाली बात है जो अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं और ओलंपिक पदक जीतना चाहते हैं। मुक्केबाजी को लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में बनाए रखने के लिए सभी उचित कदम उठाए जाने चाहिए।मुक्केबाजी को अगर लॉस एंजिलिस ओलंपिक में शामिल किया जाता है तो लवलीना लगातार तीसरी बार इन खेलों का हिस्सा बनना चाहती हैं। उन्होंने 2021 में टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था लेकिन पिछले साल पेरिस ओलंपिक से उन्हें खाली हाथ वापस लौटना पड़ा था। लवलीना ने कहा- टोक्यो ओलंपिक का आयोजन कोविड के समय हुआ था जबकि पेरिस ओलंपिक सीखने का दौर था। मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और मुझे इसका कोई मलाल नहीं है कि मैं पदक नहीं जीत पाई।

सम्पादकीय

भरोसा बढ़ाने वाले फैसलों की प्रतीक्षा, बजट से जनता को कई उम्मीदें

मोदी सरकार इच्छाशक्ति तो दिखा रही है लेकिन यह कहना कठिन है कि वह विभिन्न क्षेत्रों में सुधारों को समय रहते आगे बढ़ा सकेगी। अच्छा हो कि मोदी सरकार अगले माह जो बजट पेश करने जा रही है उसके जरिये न केवल यह दिखाए कि बहुमत से दूर रहने के बाद भी वह एक सक्षम सरकार है और अपने एजेंडे को लागू करने के लिए अडिग है। पिछले लोकसभा चुनाव में जब नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को अपने बलबूते बहुमत नहीं मिला तो इसके कयास लगाए जाने लगे कि गठबंधन सरकार उस वेग और लचीलेपन के साथ कार्य नहीं कर पाएगी, जैसा पिछले दो कार्यकालों में दिखा था। गठबंधन सरकार की अपनी मजबूरियां होती हैं। तीसरी पारी में मोदी सरकार को अपना एजेंडा इसे ध्यान में रखकर बढ़ाना है कि वह नीतीश कुमार की जदयू और चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी के समर्थन पर निर्भर है। मोदी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल के लगभग सात माह पूरे कर चुकी है। इस दौरान ऐसा लगा कि वह कांग्रेस और अन्?य विपक्षी दलों द्वारा तय किए जा रहे नैरेटिव और उनके विरोध के कारण उस गति से आगे नहीं बढ़ पा रही है, जिसकी अपेक्षा की थी। यह साफ दिख रहा है कि उसे वक्फ अधिनियम, एक देश-एक चुनाव पर विपक्ष के दबाव का सामना करना पड़ रहा है। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि मोदी सरकार ने अपने तीसरे कार्यकाल का अपना जो पहला बजट पेश किया, उसमें ऐसे क्रांतिकारी कदम नहीं दिखे, जो देश की मूलभूत समस्?याओं का निराकरण कर पाते।यदि संसद के पिछले सत्रों को देखा जाए तो मोदी सरकार महत्वपूर्ण समझा जाने वाला एक मात्र बिल- भारतीय वायुयान विधेयक ही पारित करा सकी है। पिछली सरकारों की तरह मोदी सरकार भी रह-रहकर होने वाले विधानसभा चुनावों का सामना करती है। बार-बार चुनावों के चलते सत्तापक्ष को विपक्ष को जवाब देने के लिए उस जैसे ही तौर-तरीके अपनाने पड़ते हैं। कई बार तो उसे न चाहते हुए भी वह सब करना पड़ता है, जो आर्थिक दृष्टि से सही नहीं होता। भाजपा को वैसी जन कल्याणकारी योजनाएं घोषित करनी पड़ी हैं, जैसी विपक्षी दलों ने वोट हासिल करने के लिए घोषित कीं। महिलाओं को मासिक भुगतान देने का जो चलन शुरू हुआ है, उससे अब कोई भी दल अछूता नहीं है। महिलाओं को आकर्षित करने वाली इन योजनाओं के कारण ही महाराष्ट्र में भाजपा को प्रचंड जीत मिली। मध्य प्रदेश, हिमाचल, कर्नाटक और झारखंड में भी ऐसी योजनाएं वोट हासिल करने का जरिया बनीं। अब दिल्ली में आम आदमी पार्टी भी इसी तरह की योजना लेकर आई है। राजनीतिक दल चाहे जो दावा करें, सरकारी कोष पर बोझ बनने वाली ऐसी योजनाओं को संचालित करने से बुनियादी बदलाव लाने वाली योजनाएं शुरू करने में समस्या होती है। मोदी सरकार कुछ दूरगामी प्रभाव वाली नीतियों पर कार्य कर रही है, जैसे जल प्राधिकरण बनाने की तैयारी। उसने तीन नए आपराधिक कानूनों पर अमल भी शुरू हुआ है। इसके अलावा मोदी सरकार ने कुछ अन्य ऐसी योजनाएं शुरू की हैं, जो प्रभावशाली हैं, लेकिन उनके नतीजे सामने आने में समय लगेगा। कोई नहीं जानता कि महत्वाकांक्षी उद्देश्य वाले जल प्राधिकरण के गठन का लाभ कब तक मिलने मिलेगा। इसी तरह यह कहना भी कठिन है कि राष्ट्रीय जल नीति कब तक प्रभावी रूप में लागू हो सकेगी। ध्यान रहे कि अभी जनता को शुद्ध पेयजल के ही लाले पड़े रहते हैं। यह ठीक है कि हर घर नल योजना आगे बढ़ रही है, लेकिन क्या वह सभी को शुद्ध पेयजल उपलब्ध करा पा रही है? आज भारत जिन समस्?याओं से जूझ रहा है, वे पिछले कई वर्षों में अनदेखी के चलते गंभीर रूप ले चुकी हैं। उदाहरणस्वरूप शहरों का चरमराता आधारभूत ढांचा, बिगड़ती हुई आबोहवा और नदियों का अत्?यधिक प्रदूषित होते जाना। ये समस्याएं स्?वास्?थ्?य के लिए हानिकारक बन रही हैं। तथ्य यह भी है कि किसानों की हालत सुधारने के अनेक कदम उठाए जाने के बाद भी उनकी आय दोगुना करने का लक्ष्य दूर है। मोदी सरकार न्यायपालिका की कार्यप्रणाली में कोई उल्लेखनीय सुधार नहीं कर सकी है। समय पर न्याय सुलभ होना एक दूर की कौड़ी है। न तो न्यायपालिका में सुधार हो पा रहा है और न ही नौकरशाही में। नौकरशाही में निचले स्तर पर व्याप्त भ्रष्टाचार कम होने का नाम नहीं ले रहा है। ऐसा इसलिए है कि उसे जवाबदेह नहीं बनाया जा पा रहा है। इसी तरह पुलिस सुधार भी लंबित ही हैं। मोदी सरकार अपने पिछले कार्यकाल में जो नई शिक्षा नीति लाई थी, उस पर अमल बहुत धीमी गति से हो रहा है। अभी इस नीति के सकारात्मक प्रभाव दिखने शुरू नहीं हुए हैं। एक ओर जहां उच्च शिक्षा के लिए बड़ी संख्या में युवा विदेश की ओर रुख कर रहे हैं, वहीं जो युवा भारत में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, वे रोजगार पाने में परेशानी का सामना कर रहे हैं। युवाओं की जितनी भीड़ सरकारी नौकरियां पाने के लिए लालायित दिखती है, उतनी नौकरियां हैं नहीं। चूंकि जरूरी समझे जाने वाले राजनीतिक सुधार भी नहीं हो पा रहे हैं, इसलिए राजनीति जनसेवा के लक्ष्य से दूर होती जा रही है।

बड़ी विसंगति से मुक्त हुई स्कूली शिक्षा, सीखने की प्रक्रिया पर देना होगा अधिक ध्यान

वर्ष 1992 में आई यशपाल कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार बच्चों के स्कूल छोड़ने के पीछे ङ्कबस्ते का बोझङ्क और विदेशी भाषा लादा जाना सबसे प्रमुख कारण है। फेल न करने की नीति के चलते शिक्षक गरीब बच्चों के प्रति और भी लापरवाह होते जा रहे थे। ऐसा लग रहा था जैसे उनके पास-फेल होने के लिए वे जिम्मेदार ही नहीं हैं। यह स्वागतयोग्य है कि शिक्षा का अधिकार कानून, 2009 की एक बड़ी विसंगति को केंद्र सरकार ने दूर कर दिया। अब नए सत्र से पांचवीं और आठवीं कक्षा की परीक्षा पास करने वाले छात्र ही अगली कक्षाओं में जा सकेंगे। वर्ष 2010 से पूरे देश में आठवीं तक की कक्षाओं को पास-फेल के नियम से मुक्त कर दिया गया था। ऐसा इस सीमित तर्क की आड़ में किया गया था कि फेल होने से बच्चे स्कूल छोड़ देते हैं, उनका मनोबल गिर जाता है और तनाव में आ जाते हैं। इसलिए बिना परीक्षा के ही उन्हें अगली कक्षा में प्रमोट किया जा रहा था।ठीक है कि शिक्षा का अर्थ केवल परीक्षा नहीं है और परीक्षा के तनाव से छात्रों को मुक्त भी रखा जाना चाहिए, लेकिन इस नियम ने स्कूली शिक्षा को तो नुकसान पहुंचाया ही, कालेज शिक्षा को भी बर्बाद कर दिया। इसका सबसे बुरा असर देश भर के सरकारी स्कूलों पर हुआ। ज्यादातर सरकारी स्कूलों में उन गरीब परिवारों के बच्चे पढ़ते हैं, जिनकी आर्थिक-सामाजिक स्थिति अच्छी नहीं होती। उनके पास अपने बच्चों की शिक्षा की तरफ ध्यान देने के लिए न वक्त होता है, न सामर्थ्य।कोई बच्चा घर से तो स्कूल चला गया, लेकिन वह वास्तव में स्कूल में गया या नहीं या उसने क्या पढ़ाई की, इसकी जानकारी तभी मिलेगी, जब वह परीक्षा देने के बाद पास या फेल होगा। आठवीं तक फेल न करने की नीति के चलते बच्चे अगली कक्षा में तो पहुंच जा रहे थे, लेकिन उनमें से कइयों को आता-जाता कुछ भी नहीं था। इससे अगली कक्षा के शिक्षकों के सामने भी कई समस्याएं खड़ी होने लगी थीं। नतीजतन स्कूली शिक्षा में और भी गिरावट आती गई।पिछले एक दशक से प्रथम और इस जैसी दूसरी संस्थाओं के सर्वे बार-बार यह रेखांकित कर रहे थे कि आठवीं के बच्चे को चौथी क्लास का गणित नहीं आता या पांचवीं का बच्चा दूसरी क्लास की हिंदी की किताब भी नहीं पढ़ सकता। ऐसी रपटें आने के बाद दो-चार दिन तो शिक्षा व्यवस्था पर कुछ प्रश्न उठते, लेकिन उसमें सुधार के बारे में कभी गंभीरता से नहीं सोचा जाता। ऐसे में निजी स्कूल सरकारी स्कूलों के मुकाबले और आगे बढ़ते चले जा रहे थे। जिन सलाहकारों ने बच्चों को स्कूल न छोड़ने देने के लिए फेल न करने का आसान रास्ता अपनाया, उन्होंने ऐसा कोई सुझाव नहीं दिया, जिससे इस समस्या को दूर किया जा सकता।जब यही बच्चे नौवीं-दसवीं में कई-कई बार अवसर देने के बावजूद भी फेल होते गए तो मजबूर होकर राज्य सरकारों ने केंद्र से गुहार लगाई कि फेल न करने की नीति तुरंत समाप्त की जाए, क्योंकि इससे सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर और बिगड़ जाएगा। 2016 में केंद्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड ने राज्यों की बात पर ध्यान देते हुए इस नीति को बदलने की सलाह केंद्र सरकार को दी। 2019 में केंद्र सरकार ने राज्यों की सहमति से यह संशोधन तो कर दिया कि परीक्षा के बाद ही बच्चों को अगली कक्षाओं में प्रमोट किया जाएगा, लेकिन इसे लागू करने के बारे में राज्यों के ऊपर छोड़ दिया।चूंकि शिक्षा का अधिकार समवर्ती सूची का कानून है इसलिए बिना दो तिहाई राज्य सरकारों की सहमति के यह संभव नहीं था। दिल्ली, असम, बिहार, गुजरात, हिमाचल समेत 16 राज्यों ने इसे बदल दिया, लेकिन कर्नाटक, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश जैसे राज्य और केंद्रशासित प्रदेश पांचवीं और आठवीं कक्षा में फेल न करने की नीति पर ही चल रहे थे। अब केंद्र सरकार के निर्णय के बाद देश के सभी स्कूलों में पांचवीं और आठवीं कक्षा में फेल करने की नीति इसी सत्र से लागू कर दी गई है। इस सुधार में सबसे अच्छी बात यह है कि यदि कोई बच्चा फेल हो जाता है तो दो महीने बाद उसे एक मौका और दिया जाएगा। इस बीच स्कूल ऐसे कमजोर छात्रों पर विशेष ध्यान देंगे। स्कूलों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि वे बच्चों के संपूर्ण व्यक्तित्व विकास पर ध्यान देंगे और उनका नाम नहीं काटेंगे। यानी किसी भी हालत में बच्चों को उसी स्कूल में पढ़ने का अधिकार बना रहेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूली शिक्षा पूरी न करने और बीच में छोड़ देने की प्रवृत्ति जरूर है, लेकिन इसके लिए केवल पास-फेल की स्थितियां ही जिम्मेदार नहीं हैं। बच्चों में लिखने-पढ़ने का कुछ ज्ञान तो होना ही चाहिए। आंकड़ों में उन्हें आठवीं पास कर देने से उन्हें भविष्य में कोई फायदा नहीं मिलेगा, क्योंकि उन्हें आगे इंजीनियरिंग, मेडिकल में दाखिला लेने या नौकरी के लिए परीक्षाएं तो देनी ही होंगी। यह तर्क गले नहीं उतरता कि पांचवीं एवं आठवीं में फेल होने से स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की संख्या बढ़ जाएगी। वर्ष 1992 में आई यशपाल कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार बच्चों के स्कूल छोड़ने के पीछे ङ्कबस्ते का बोझङ्क और विदेशी भाषा लादा जाना सबसे प्रमुख कारण है। फेल न करने की नीति के चलते शिक्षक गरीब बच्चों के प्रति और भी लापरवाह होते जा रहे थे। ऐसा लग रहा था जैसे उनके पास-फेल होने के लिए वे जिम्मेदार ही नहीं हैं। इस सुधार के बाद स्कूल, शिक्षक, अभिभावक और बच्चे सभी में पढ़ने-सीखने के प्रति जिम्मेदारी बढ़ेगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि इससे सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता भी बढ़ेगी।

सड़कों पर क्यों ठोकरें खाता है सरकारी नौकरी का ख्वाब

सरकारी नौकरी पाने का युवाओं का ख्वाब अमूमन इस तरह सड़कों पर दर-दर की ठोकरें खाने पर क्यों मजबूर है? देश के अधिकांश राज्य लोक सेवा आयोग अक्षमता के शिकार हैं, ऐसा क्यों बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) के परीक्षार्थियों का प्रारंभिक परीक्षा रद्द करने का आंदोलन तीन हफ्ते बाद भी समाप्त नहीं हो रहा है तो इसको लेकर कई सवाल उठने लगे हैं। पहला तो यह राज्यों में सरकारी नौकरी पाने का युवाओं का ख्वाब अमूमन इस तरह सड़कों पर दर-दर की ठोकरें खाने पर क्यों मजबूर है? दूसरा, देश के अधिकांश राज्य लोक सेवा आयोग अक्षमता के शिकार हैं, ऐसा क्यों उनके द्वारा भर्ती किए जाने वाले कल के अफसरों और अन्य कर्मचारियों के चयन की शुचिता क्यों नहीं रह पाती है? ऐसा होने के लिए जिम्मेदार कौन है, सरकारी नौकरी का सपना देखने वाले या फिर इन रुआबदार नौकरियों के लिए परीक्षा आयोजित करने वाले? तीसरे, इन धांधलियों पर लगाम कब लगेगी और कौन लगाएगा बीपीएससी की 70 वीं संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा (सीपीई) के पेपर लीक होने की खबर के बाद से गुस्साए परीक्षार्थी सड़कों पर उतरे हुए हैं और पटना के गर्दनीबाग में धरना दे रहे हैं। गड़बड़ी की गंभीर शिकायतों के बीच बीपीएससी ने 4 जनवरी को री-एग्जाम (पुनर्परीक्षा) भी आयोजित की, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ, क्योंकि परीक्षार्थियों को बीपीएससी पर ही भरोसा नहीं है। (हालांकि किसी संस्था पर से भरोसा उठ जाना भी समस्या के समाधान में मददगार नहीं होता)। व्यवस्था और तंत्र पर आपको कुछ तो यकीन रखना ही होगा।बीपीएससी ने इतना जरूर माना कि बापू परिसर परीक्षा केन्द्र पर पेपर लीक हुआ, लेकिन उसने समूची परीक्षा रद्द करने से इंकार कर दिया। शक यह भी है कि परीक्षार्थियों के सड़कों पर उतरने के पीछे कोचिंग क्लास माफिया का हाथ है, क्योंकि वो सभी प्रतियोगी परीक्षाएं अपनी सुविधा और स्वार्थ के हिसाब से करवाना चाहते हैं, न होने पर आंदोलन करवा देते हैं। उधर यह राजनीतिक मुद्दा भी बन गया है।शुरू में कुछ विपक्षी दलों ने आंदोलनकारी परीक्षार्थियों के साथ खड़ा दिखने की कोशिश की, लेकिन बाद में जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर द्वारा आंदोलन को हाईजैक करता देख, दूसरे दलों ने इससे दूरी बना ली। सत्तारूढ़ एनडीए के घटक दल तो इस आंदोलन को शुरू से प्रायोजित और नीतीश सरकार को बदनाम करने वाला बता रहे हैं। हालांकि कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर मामला नहीं सुलझा तो परीक्षार्थियों का यह आंदोलन मिनी अन्ना आंदोलन में भी तब्दील हो सकता है, जो सत्तारूढ़ एनडीए के लिए खतरे की घंटी है।परीक्षा आयोजन में प्रौद्योगिकी का बढ़ता इस्तेमाल उसकी शुचिता, पारदर्शिता और त्वरितता के लिए कम, हेराफेरी के लिए ज्यादा होता दिख रहा है। अव्वल तो राज्यों में सरकारी भर्ती के विज्ञापन ही कम निकलते हैं। निकले भी तो उसमें दस गलतियां होती है या जानबूझकर की जाती हैं। मान लीजिए कि विज्ञापन के बाद प्रतियोगी परीक्षा की तारीखें घोषित हो भी गईं तो तय तिथि को परीक्षा हो जाए तो खुद को किस्मत वाला समझिए।अगर परीक्षा भी समय पर हो गई तो परीक्षा के पेपर लीक होना, पर्चे बिकना, फिर रिजल्ट बरसों लटके रहना, रिजल्ट भी आ जाए तो नियुक्ति पत्र मिलने के लिए बरसों इंतजार करने की मजबूरी अब आम बात हो गई है। केवल यूपीएससी की परीक्षाएं काफी हद तक बेहतर ढंग से हो रही हैं। वरना अन्य प्रतियोगी परीक्षा के अभ्यर्थियों को हर बात में इंसाफ के लिए या तो सड़कों पर आना पड़ता है या फिर कोर्ट की शरण लेनी पड़ती है। ऐसा क्यों हो रहा है, इसका न तो कोई जवाबदेह है और न ही किसी को इसकी चिंता है। जबकि यह देश के युवाओं के भविष्य से जुड़ा गंभीर मुद्दा है। बीपीएससी की कहानी भी इससे अलग नहीं है। वहां बरसों बाद बड़े पैमाने पर द्वितीय श्रेणी के सरकारी पदों पर भर्तियां निकली थीं। लेकिन उसमें भी अफरा तफरी हुई। बताया जाता है कि बीपीएससी में पेपर लीक का विवाद परीक्षा के बापू सेंटर से शुरू हुआ। वहां कुछ पेपर कम पड़ गए थे तो दूसरे केन्द्र से मंगवाने पड़े। जिससे कई परीक्षार्थियों को थोड़े समय के अंतर से पेपर मिले। यकीनन यह बीपीएससी की बड़ी लापरवाही थी। अगर आयोग पर्याप्त संख्या में परीक्षार्थियो को प्रश्नपत्र भी उपलब्ध नहीं करा सकता तो इसे क्या कहा जाए? इस बीच खबर फैली कि पेपर लीक हो चुका है। यह सुनते ही छात्र भड़क गए और उन्होंने पेपर का बहिष्कार कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस बीच एक आंदोलनकारी को पटना डीएम ने तमाचा जड़ दिया। उधर बीपीएससी का कहना है कि मामला चूंकि एक ही सेंटर का था इसलिए पूरी परीक्षा रद्द करने का सवाल ही नहीं है। लेकिन इस दलील पर परीक्षार्थियों को भरोसा नहीं हो रहा। उनका आंदोलन उग्र हो गया तो पुलिस ने लाठियां भी बरसाईं। अब जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर इस आंदोलन के पुरोधा बनकर अपनी सियासी जमीन तलाशने की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच कुछ अन्य नेताओं जैसे तेजस्वी यादव आदि ने भी शुरू में आंदोलनकारियों से सहानुभूति जताई, लेकिन बाद में हाथ खींच लिया। अब परीक्षार्थियों का कहना है कि वे मुद्दे को लेकर हाई कोर्ट जाएंगे। कुलमिलाकर बिहार पीएससी परीक्षार्थियों को कोई राहत जल्द मिलेगी, ऐसा लगता नहीं है। हमने पिछले साल नंवबर में उत्तर प्रदेश पीएससी के परीक्षार्थियो का आंदोलन भी देखा,जो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हस्तक्षेप के बाद समाप्त हुआ था। वहां परीक्षार्थी यूपीपीएससी द्वारा नार्मलाइजेशन प्रक्रिया के बजाए पर्सेंटाइल पद्धति से परीक्षा कराने, पूरी परीक्षा एक ही पाली में कराने की मांग को लेकर आंदोलन पर उतरे थे।बता दें कि नॉर्मलाइजेशन से तात्पर्य किसी भी परीक्षा में परीक्षार्थियों की तादाद बहुत ज्यादा होने पर आयोजक दो पालियों में परीक्षा कराते हैं। ऐसे में अगर पहली पाली का पेपर कठिन आता है और उसमें अभ्यर्थियों के कम नंबर आते हैं तो दूसरी पाली का पेपर थोड़ा आसान होता है और उसमें

अभ्यर्थियों के ज्यादा नंबर आते हैं तो कठिन पेपर वाली पाली के अभ्यर्थियों के नंबर में थोड़ी बढ़ोतरी कर दी जाती है। यही नॉर्मलाइजेशन कहलाता है।विरोध कर रहे अभ्यर्थियों का कहना था कि यह खेल के बीच नियम बदलने जैसा है और इसमें धांधली की पूरी गुंजाइश है। लिहाजा समूची परीक्षा एक ही पाली में कराई जाए। सवाल यह है कि जब यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा एक पाली में कराती है तो राज्य सेवा आयोग ऐसा क्यों नहीं कर सकते इसी तरह बीते दिसंबर में मप्र के इंदौर में 'नेशनल एजुकेटेड यूथ यूनियन' के बैनर तले एमपीपीएससी के अभ्यर्थियों ने न्याय यात्रा निकाली थी। उनकी मांग थी कि एमपीपीएससी की 2019 की मुख्य परीक्षा की कॉपियां दिखाई जाएं और इसकी मार्कशीट जारी की जाए। साथ ही सभी विज्ञापित पदो पर एक साथ भर्ती की जाए। आंदोलनकारियों ने इंदौर में मप्र लोक सेवा आयोग के मुख्यालय पर धरना भी दिया। बाद में सरकार के दखल के बाद अभ्यर्थियों ने आंदोलन समाप्त किया। इसी तरह महाराष्ट्र में ठाकरे राज में महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग द्वारा प्रस्तावित परीक्षाएं कोरोना के कारण रद्द करने पर नाराज अभ्यर्थियों ने राज्यव्यापी आंदोलन किया था।

डिजिटल भारत की आकांक्षाओं का प्रतीक, डाटा संरक्षण अधिनियम से सबको मिलेगा फायदा

डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण अधिनियम 2023 के सिद्धांतों पर आधारित मसौदा नियम विभिन्न हितधारकों से एकत्र किए गए व्यापक इनपुट और वैश्विक सर्वोत्तम तौर-तरीकों के अध्ययन का परिणाम है। नागरिकों व्यवसायों और नागरिक समाज से प्रतिक्रिया और सुझाव आमंत्रित करते हुए हमने सार्वजनिक परामर्श के लिए 45-दिनों की अवधि निर्धारित की है। यह डिजिटल-प्रथम दृष्टिकोण सहमति व्यवस्था और डाटा प्रबंधन कार्य तक विस्तारित है।जब हम विश्व के भविष्य के बारे में बात करते हैं, तो मानव-केंद्रित दृष्टिकोण सबसे महत्वपूर्ण होना चाहिए।' संयुक्त राष्ट्र शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ये शब्द लोगों को सर्वोपरि रखने के भारत के दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। इस दर्शन ने डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण (डीपीडीपी) नियम, 2025 के मसौदे को आकार देने में हमारे प्रयासों का मार्गदर्शन किया है। अंतिम रूप दिए जाने के बाद डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण अधिनियम, 2023 लागू हो जाएगा, जो नागरिकों के व्यक्तिगत डाटा सुरक्षा के अधिकार की रक्षा के लिए हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करेगा। भारतीय नागरिक ही डीपीडीपी नियम, 2025 के केंद्र में हैं। डाटा के बढ़ते वर्चस्व वाली दुनिया में हमारा मानना है कि व्यक्तियों को शासन की रूपरेखा के केंद्र में रखना अनिवार्य है। ये नियम नागरिकों को कई अधिकारों से सशक्त बनाते हैं, जैसे सूचना आधारित सहमति, डाटा मिटाने की सुविधा और डिजिटल रूप में नामांकित व्यक्ति को नियुक्त करने की क्षमता आदि। नागरिक अब उल्लंघनों या अनधिकृत डाटा उपयोग

के सामने असहाय महसूस नहीं करेंगे। उनके पास अपनी डिजिटल पहचान को प्रभावी ढंग से सुरक्षित रखने के उपाय होंगे। इससे संबंधित नियमों को सरलता एवं स्पष्टता के साथ तैयार किया गया है। इसमें सुनिश्चित किया गया है कि प्रत्येक भारतीय, चाहे उनके पास तकनीकी ज्ञान कुछ भी हो, अपने अधिकारों को समझ सकता है और उनका प्रयोग कर सकता है। सहमति स्पष्ट शब्दों में मांगी जाती है तथा नागरिकों को अंग्रेजी या संविधान में सूचीबद्ध 22 भारतीय भाषाओं में से किसी में भी जानकारी देना अनिवार्य बनाया है। यह रूपरेखा समावेशिता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। आज के इस डिजिटल युग में बच्चों की विशेष देखभाल की आवश्यकता है। इसे मान्यता देते हुए नियम नाबालिगों के व्यक्तिगत डाटा का इस्तेमाल करने के लिए माता-पिता या अभिभावक की सत्यापन योग्य सहमति को अनिवार्य बनाते हैं। अतिरिक्त सुरक्षा उपाय बच्चों को शोषण, अनधिकृत प्रोफाइल बनाने और अन्य डिजिटल नुकसान से बचाव सुनिश्चित करते हैं। ये प्रविधान भविष्य की पीढ़ी के लिए एक सुरक्षित डिजिटल परिदृश्य बनाने के प्रति हमारे समर्पण को दर्शाते हैं। भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था एक वैश्विक सफलता की गाथा रही है और हम इस गति को बनाए रखने के प्रति दृढ़ हैं। हमारी रूपरेखा डिजिटल अर्थव्यवस्था में नवाचार को सक्षम करते हुए नागरिकों के लिए व्यक्तिगत डाटा सुरक्षा सुनिश्चित करती है। विनियमन पर बहुत अधिक जोर देने वाले कुछ अंतरराष्ट्रीय प्रारूपों के विपरीत हमारा दृष्टिकोण व्यावहारिक और विकासोन्मुखी है। यह संतुलन सुनिश्चित करता है कि नागरिकों की सुरक्षा की जाए और नवाचार भावना को दबाया न जाए, जो हमारे स्टार्टअप और व्यवसायों को प्रेरित करती है। नई व्यवस्था से छोटे व्यवसायों और स्टार्टअप के लिए अनुपालन बोझ कम हो जाएगा। हितधारकों की अलग-अलग क्षमताओं को ध्यान में रखते हुए नियमों को वर्गीकृत जिम्मेदारियों के साथ डिजाइन किया गया है। डाटा विश्वास के मूल्यांकन के आधार पर बड़ी कंपनियों के पास बड़े दायित्व होंगे, जो विकास को बाधित किए बिना जवाबदेही सुनिश्चित करेंगे। इन नियमों के मूल में 'डिजाइन से डिजिटल' दर्शन है। डाटा सुरक्षा बोर्ड मुख्य रूप से एक डिजिटल कार्यालय के रूप में कार्य करेगा, जिसे शिकायतों का समाधान करने और अनुपालन लागू करने का काम सौंपा गया है। प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर हम दक्षता, पारदर्शिता और गति सुनिश्चित करते हैं। नागरिक शारीरिक उपस्थिति के बिना भी शिकायत दर्ज कर सकते हैं। प्रगति की निगरानी कर सकते हैं और समाधान प्राप्त कर सकते हैं। यह डिजिटल-प्रथम दृष्टिकोण सहमति व्यवस्था और डाटा प्रबंधन कार्य तक विस्तारित है। प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करके हम बड़ी कंपनियों के लिए अनुपालन और नागरिकों के लिए जुड़ना आसान बनाते हैं, जिससे प्रणाली में विश्वास बढ़ता है। इन नियमों की यात्रा उनके अभिप्राय जितनी ही समावेशी रही है। डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण अधिनियम, 2023 के सिद्धांतों पर आधारित, मसौदा नियम विभिन्न हितधारकों से एकत्र किए गए व्यापक इनपुट और वैश्विक सर्वोत्तम तौर-तरीकों के अध्ययन का परिणाम है। नागरिकों, व्यवसायों और नागरिक समाज से प्रतिक्रिया और सुझाव आमंत्रित करते हुए हमने सार्वजनिक परामर्श के लिए 45-दिनों की अवधि निर्धारित की है। यह जुड़ाव सामूहिक ज्ञान और भागीदारीपूर्ण नीति निर्माण के महत्व में हमारे विश्वास का प्रमाण है, जबकि यह सुनिश्चित करना है कि यह व्यवस्था न केवल मजबूत हो, बल्कि हमारे सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य की अनूठी चुनौतियों के अनुकूल भी हो। यह सुनिश्चित करने के लिए कि नागरिक अपने अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूक हैं, नागरिकों को उनके व्यक्तिगत डाटा से जुड़े अधिकारों के बारे में शिक्षित करने के लिए व्यापक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इन नियमों की शुरुआत के साथ हम न केवल वर्तमान चुनौतियों का समाधान कर रहे हैं, बल्कि एक सुरक्षित और अभिनव डिजिटल भविष्य की आधारशिला भी रख रहे हैं। डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण नियम, 2025 का मसौदा वैश्विक डाटा शासन मानदंडों को आकार देने में भारत के नेतृत्व को प्रतिबिंबित करता है। नागरिकों को केंद्र में रखते हुए नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देकर हम एक मिसाल कायम कर रहे हैं, जिसका दुनिया अनुसरण कर सकती है। हमारी प्रतिबद्धता स्पष्ट है कि इस डिजिटल युग में प्रत्येक भारतीय को सुरक्षित, सशक्त और सक्षम बनाना। मैं प्रत्येक नागरिक, व्यवसाय और नागरिक समाज समूह को परामर्श अवधि के दौरान टिप्पणियां और सुझाव साझा करके इस संवाद में भाग लेने के लिए आमंत्रित-प्रोत्साहित करता हूं। आइए हम सब मिलकर इन नियमों को परिष्कृत करें ताकि एक ऐसी व्यवस्था तैयार हो सके, जो वास्तव में एक सुरक्षित, समावेशी और संपन्न डिजिटल भारत की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती हो।

ADHUNIK TUTORIALS

" FOR THE STUDENTS, FROM A STUDENT "

FOR CLASSES 1st 5th

(ADMISSION OPEN)

FACILITIES

- Air Conditioned & Well Furnished Classroom
- Water Cooler Available
- Hygienic Washrooms
- CCTV for Safety Purposes
- In Campus Parking

Dr. (Er)PuneetArora (HON. DIRECTOR)
(B.Tech, M. Tech, MBA , Ph.D)
Awarded with ' Young Scientist & Best Teachers, Author of Many Books Chapters, Research Paper, Patent & Trademarks

Ms.Nilanjana Arora (Assistant Director)

- Ex. Student of Bethany Convent School, Bishop Johnson School & College, Girl's High School & College
- Pursuing B.Tech
- Awarded by TCS
- Certification in the Field of Web Development and Machine Learning .

Ms. Riya Arora (Counsellor)

- Ex. Student of Delhi Public School.
- Subject Topper of Delhi Public School
- Pursuing LLB from University of Allahabad .

Address: B-Block, ADA Colony, Mtek Campus, Naini, Prayagraj .

Contact :- Call and Whatsapp: 8542919234

विश्व ब्रम्हार्षि ब्राम्हण महासभा के पीठाधीश्वर ने उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक से की शिष्टाचार भेंट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। विश्व ब्रह्मऋषि ब्राह्मण महासभा के पीठाधीश्वर ब्रह्मऋषि विभूति बीके शर्मा हनुमान आज पहुंचकर शिष्टाचार मुलाकात कर अंगवस्त्र स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया । बीके शर्मा हनुमान ने बताया कि अरविंद कुमार शर्मा पीएम बाद से ही ऐ के शर्मा को प्रदेश में बड़ा दायित?व मिलना ब्राह्मण समाज के लिए गौरव की बात है नगर विकास और ऊर्जा मंत्री का पद मिलने के बाद से ही उनपर पूर्वांचल ही नहीं प्रदेश का दायित?व मिलने से कद निश्चित तौर पर बढ़ा वहीं प्रदेश का दो सबसे महत?वपूर्ण विभाग मिलने के बाद से ही उनकी सक्रियता भी शुरू हो गई बीके शर्मा हनुमान ने यह भी बताया कि माननीय ब्रजेश पाठक एक भारतीय राजनीतिज्ञ और उत्तर प्रदेश की 18वीं विधान सभा के सदस्य हैं। वर्तमान में, वे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अधीन उत्तर प्रदेश सरकार में 7वें उपमुख्यमंत्री और चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण के कैबिनेट मंत्री के रूप में कार्यरत हैं। मेरा सौभाग्य तब और बढ़ गया जब मेरे क्षेत्र के शहर विधायक मान्य संजीव शर्मा जी से भी मुलाकात लखनऊ में हुई उनके साथ शहर के जाने माने व्यापार मंडल के सम्मानित साथी साथ थे मेरे साथ प्राइवेट चिकित्सक वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय महासचिव डॉक्टर देवेंद्र कुमार मेरी यात्रा में शामिल रहे।

माननीय उपमुख्यमंत्री/स्वास्थ्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार आदरणीय श्री बृजेश पाठक, नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ऐ के शर्मा के निज निवास नरेन?द्र मोदी के करीबी माने जाते हैं। मोदी और शाह के करीबियों में उनका नाम शुमार होने की वजह से यूपी की सियासत में आने के

समृद्धि प्रीमियर लीग-2: टाइटंस बनी चैंपियन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा समृद्धि प्रीमियर लीग के सीजन 2 में टाइटंस ने एक रोमांचक सुपर ओवर मैच में एसजीए 11को हराकर सीजन 2 का ख़िताब अपने नाम कर लिया। टाइटंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 154 रनो का स्कोर तैयार किया। जवाब में उठी एसजीएि ंघ् ने भी 20 ओवर में 154 रन बनाये। मैच के सुपर ओवर में टाइटन्स ने 5 रनो के लक्ष्य को मात्रा दो बाल में ही बना लिया। टाइटंस के तरफ से सबसे ज्यादा 63 रन कप्तान गौरव ने बनाये। उनकी शानदार पारी ने टीम को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस जीत के साथ, टाइटंस ने समृद्धि प्रीमियर लीग के सीजन 2 का ख़िताब अपने नाम कर लिया है। टीम के खिलाड़ियों और समर्थकों ने इस जीत का जश्न मनाया। समृद्धि प्रीमियर लीग के आयोजकों ने टाइटंस को बधाई दी और उनकी शानदार प्रदर्शन की प्रशंसा की।

जीएल बजाज कॉलेज के डीन डॉ. शशांक अवस्थी बने आईईईई इंडिया काउंसिल के उपाध्यक्ष

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट के डीन (स्ट्रेटेजी) डॉ. जिम्मेदारी को संभालने पर अपनी शुभकामनाएं व्यक्त की हैं। उनका मानना है कि डॉ. अवस्थी का अनुभव और नेतृत्व न केवल ईनेटवर्क जीएल बजाज संस्थान के वाइस चेयरमैन पंकज अग्रवाल ने डॉ. अवस्थी की इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई देते हुए कहा कि यह डॉद

शशांक अवस्थी को आईईईई इंडिया काउंसिल के उपाध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया गया है। वह आईईईई इंडिया काउंसिल की (सिस्टर सोसाइटी) का कोऑर्डिनेशन कार्यभार देखेंगे। यह उपलब्धि उनके नेतृत्व, समर्पण और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में योगदान का प्रमाण है। आईईईई इंडिया काउंसिल के सदस्य और तकनीकी समुदाय ने डॉ. अवस्थी द्वारा इस नई के भीतर बल्कि व्यापक तकनीकी समुदाय में भी नवाचार और सहयोग को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। डॉ. अवस्थी के नेतृत्व में, यह भूमिका तकनीकी शोध, नवाचार, और विभिन्न सिस्टर सोसाइटी के बीच सहयोग को और मजबूती प्रदान करेगी। उनके प्रयास निश्चित रूप से प्रौद्योगिकी और नेटवर्किंग के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने में सहायक होंगे। अवस्थी के साथ-साथ जीएल बजाज के लिए भी गर्व का विषय है। कॉलेज प्रबंधन, फैकल्टी और छात्रों ने भी डॉ. अवस्थी की इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। डॉ. शशांक अवस्थी, तकनीकी शिक्षा और प्रबंधन के क्षेत्र में एक अनुभवी विशेषज्ञ हैं। उन्होंने अपनी विशेषज्ञता और नेतृत्व क्षमता के माध्यम से शिक्षा जगत में उत्कृष्ट योगदान दिया है।

बॉलीवुड/टैली मसाला

रंगमंच के दिग्गज अभिनेता आलोक चटर्जी का निधन, लंबे समय से चल रहे थे बीमार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। रंगमंच के दिग्गज अभिनेता आलोक चटर्जी का आज तड़के तीन बजे निधन हो गया।

सिग्मा उपाध्याय ने अपनी फेसबुक पोस्ट के जरिए ये जानकारी दी है। रंगमंच के दिग्गज अभिनेता आलोक चटर्जी का आज तड़के तीन बजे निधन हो गया। सिग्मा उपाध्याय ने अपनी फेसबुक पोस्ट के जरिए ये जानकारी दी है। जानकारी के अनुसार वह लंबे समय से बीमारी से जूझ रहे थे। उनके शरीर में इन्फेक्शन फैल गया था। इसके अलावा उनके कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया था, जिसकी वजह से उनका निधन हो गया। उनके निधन की पुष्टि भोपाल के रंगकर्मी बालेंद्र बालू ने भी की है। उन्होंने कहा, ठकल रात में करीब 11-12 बजे उनका निधन हो गया। वह लंबे समय से बीमार थे। वह कई बीमारियों से जूझ रहे थे। उनका गॉलब्लैडर भी निकल गया था। किडनी पैंक्रियाज में भी समस्याएं थीं। कल उनकी तबीयत बहुत ज्यादा बिगड़ गई थी कि उन्हें बंसल हॉस्पिटल के आईसीयू में भर्ती किया गया था। बीती रात उन्होंने अंतिम सांस ली।हिंदी सिनेमा के दिग्गज कलाकार रहे इरफान खान से भी आलोक चटर्जी की गहरी दोस्ती थी। दोनों ने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में साल 1984 से लेकर 1987 तक एक साथ पढ़ाई की। दोनों ने तीन साल तक नाटकों में लीड रोल भी निभाए आलोक चटर्जी का योगदान भारतीय रंगमंच के इतिहास में बेहद महत्वपूर्ण रहा है। उनके अभिनय के प्रति समर्पण और प्रतिभा को रंगमंच की दुनिया ने हमेशा सराहा। अभिनेता ने कई प्रमुख नाटकों में अपने अभिनय का जादू बिखेरा और दर्शकों के दिलों में एक खास स्थान बनाया। उन्हें उनके इस योगदान के लिए संगीत नाटक अकादमी अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया था।

हमने कुछ नहीं जीता, लेकिन', गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड न जीत पाने के बाद पायल कपाड़िया की प्रतिक्रिया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। गोल्डन ग्लोब्स में पुरस्कार न जीत पाने के बाद अब पायल कपाड़िया ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया दी है। आइए जानते हैं कि उन्होंने क्या कहा...पायल कापाड़िया की फिल्म 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' 2025 के गोल्डन ग्लोब्स में कोई पुरस्कार नहीं जीत पाई। इसे दो श्रेणियों में नामांकित किया गया था। इस समारोह के बाद हाल ही में पायल ने सोशल मीडिया पर अपनी पहली प्रतिक्रिया दी है।लॉस एंजिल्स में सोमवार (भारतीय समयानुसार) को आयोजित इस प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में पायल कापाड़िया की फिल्म 'बेस्ट नॉन-इंग्लिश लैंग्वेज मोशन पिक्चर' और 'बेस्ट डायरेक्टर' की श्रेणियों में अवॉर्ड की दौड़ में थी। हालांकि, इन दोनों श्रेणियों में क्रमशः एमिलिया पेरेज और ब्रैडी कॉर्बेट की 'द ब्रूटलिस्ट' ने बाजी मारी। समारोह में शामिल होने के बाद पायल ने 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' के निर्माताओं थॉमस हाकिम, जूलियन ग्राफ और रणबीर दास के साथ एक तस्वीर साझा की। इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट साझा करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा,हमने कुछ नहीं जीता, लेकिन बहुत मजा आया।पायल ने अपने शानदार आउटफिट के लिए अपने डिजाइनर और स्टाइलिस्ट को भी धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, ठइस अद्भुत आउटफिट के लिए पायल खंडवाला और स्टाइलिस्ट इन्द्राक्षी पट्टनायक को भी विशेष धन्यवाद। गोल्डन ग्लोब्स के लिए कापाड़िया ने काले रंग का जंपसूट पहना था, जो मैट लाइटवेट सिल्क से बना था। 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' भले ही गोल्डन ग्लोब्स नहीं जीत सकी, लेकिन यह फिल्म भारतीय सिनेमा के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बन चुकी है। पिछले साल इसे कान फिल्म महोत्सव में ग्रैंड प्रिक्स पुरस्कार प्राप्त हुआ था। मुम्बई में स्थित इस कहानी में दो मलयाली नर्सों, प्रभा और अनु की जिंदगी को दिखाया गया है। फिल्म में प्रभा की लाइफ में तब मोड़ आता है जब उसका अलग हो चुका पति उसे एक हैरान करने वाली उपहार भेजता है। वहीं, फिल्म में अनु अपने प्रेमी के साथ रहने के लिए एक निजी जगह की तलाश में नजर आती है। कनी कुसरुति, दिव्या प्रभा, छाया कदम और ह्रदु हारून ने फिल्म में मुख्य भूमिकाएं निभाई हैं।

जब संजय कपूर ने मारा माधुरी दीक्षित को थप्पड़, थिएटर में गूंजी तालियां, जानें पूरा किस्सा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। निर्देशक इंद्र कुमार ने बताया कि कैसे माधुरी दीक्षित को जब संजय कपूर ने थप्पड़ मारा तो थिएटर में सभी दर्शक तालियां बजाने लगे थे। उन्होंने अपनी फिल्म 'प्रेम' को लेकर बात की है। संजय कपूर ने 1995 में फिल्म प्रेम से अपने करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म में उनके साथ तब्बू ने काम किया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास नहीं चली। इसके बाद उनकी फिल्म 'राजा' भी बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई। फिल्म के फ्लॉप होने पर राजा के निर्देशक इंद्र कुमार को भी लगा कि फिल्म फ्लॉप हो गई, हालांकि फिल्म बाद में बहुत बड़ी हिट हुई थी। इस फिल्म के बारे में याद करते हुए इंद्र कुमार ने सिद्धार्थ खन्ना से बातचीत में बताया कि दो हिट फिल्में देने के बाद, मैंने 'राजा' फिल्म बनाई। जब मैंने मूल फिल्म देखी, तो मुझे कुछ दृश्य समझ में नहीं आए। मुझे अपनी गलती का एहसास हुआ, इसलिए मैंने स्क्रिप्ट फिर से लिखी और इसे फिर से शूट किया। वह फिल्म भी सुपरहिट रही। उन्होंने कहा, राजा की रिलीज से ठीक तीन हफ्ते पहले, संजय कपूर की तब्बू (प्रेम) के साथ एक और फिल्म रिलीज हुई थी। लेकिन यह फ्लॉप हो गई। लोगों ने मेरा मजाक उड़ाना शुरू कर दिया। यहां तक कि मैंने भी उम्मीद खो दी। मेरे मन में, मैंने सोचा, ठइंद्र कुमार, इसे अपनी आखिरी फिल्म समझो। इसके बाद, हरिद्वार चलते हैं।निर्देशक ने बताया, ठजब मैं थिएटर में फिल्म देख रहा था, तो वही लोग जो संजय कपूर की पिछली फिल्म के लिए उनका मजाक उड़ा रहे थे, उस सीन पर ताली बजा रहे थे, जिसमें वह माधुरी दीक्षित को थप्पड़ मारते हैं।ठ उन्होंने बताया कि ठएक सीन है, जिसमें माधुरी दीक्षित संजय कपूर के भाई पर उन्हें परेशान करने का आरोप लगाती हैं, लेकिन वह उन्हें थप्पड़ मार देते हैं और अपने भाई का पक्ष लेते हैं। वह उनकी बात मानने से इनकार कर देते हैं। इस सीन पर पूरा थिएटर ताली बजा रहा था।

इस दिन शादी करेंगी 'इमली' फेम मेघा चक्रवर्ती, प्रपोजल के फोटोज शेयर कर मैरिज डेट अनाउंस की

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। स्टार प्लस के शो 'इमली' से मशहूर होने वाली अभिनेत्री मेघा चक्रवर्ती ने साहिल फुल के साथ अपनी शादी की घोषणा की है। दोनों इस महीने शादी के बंधन में बंधेंगे।स्टार प्लस के लोकप्रिय शो 'इमली' में इमली की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री मेघा चक्रवर्ती को असल जिंदगी में उनके सपनों का राजकुमार मिल गया है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर करते हुए साहिल फुल के साथ अपनी शादी की घोषणा की है। अभिनेत्री को साहिल ने बीच पर प्रपोज किया। प्रपोजल की कुछ तस्वीरें उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट की है।मेघा चक्रवर्ती ने अपने प्रपोजल की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें अभिनेत्री खूबसूरत लाल ड्रेस में और साहिल फुल काले सूट में नजर आ रहे हैं। एक खूबसूरत बीच पर सफेद गुलाब के एक बड़े दिल के आकार के स्टैंड पर 'क्या तुम मुझसे शादी करोगी' के साइन के साथ साहिल ने उन्हें प्रपोज किया। अभिनेत्री ने ना केवल खूबसूरत लाल गुलदस्ता स्वीकार किया, बल्कि इस छोटे से समारोह के बाद कपल ने केक भी काटा।मेघा ने इंस्टाग्राम पर लिखा, ठनया साल, नई शुरुआतठ और आगे कहा, ठजैसा कि हम उम्मीद के साथ 2025 का स्वागत करते हैं, हमारे पास शेयर करने के लिए एक विशेष घोषणा है- हम शादी कर रहे हैं! प्यार की हमारी यात्रा ने हमें इस खूबसूरत नतीजे तक पहुंचाया है और हम इसे आप सभी के साथ शेयर करने के लिए और अधिक उत्साहित नहीं हो सकते। प्यार, हंसी और कभी ना खत्म होने वाले उत्सवों से भरा एक साल। आप सभी को एक आनंदमय और नव वर्ष की शुभकामनाएं!मेघा और साहिल जनवरी में शादी के बंधन में बंधेंगे। साहिल ने एक साक्षात्कार में साझा किया कि जम्मू में शादी करेंगे। उन्होंने कहा, शादी 21 जनवरी को जम्मू में होगी, जो मेरा गृहनगर है और उससे पहले, हम हल्दी और अन्य समारोह करेंगे। यह निजी तौर पर होगा, जिसमें सिर्फ़ हमारे परिवार और करीबी दोस्त शामिल होंगे।ङ्क मेघा चक्रवर्ती हाल ही में कलर्स के शो मिश्री में वाणी की भूमिका निभाते हुए नजर आईं।

बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही पुष्पा 2, जानें मुफासा-बेबी जॉन ने किया कितना कलेक्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बॉक्स ऑफिस पर पुष्पा 2 और मुफासा का जलवा अब भी कायम है। वहीं, बेबी जॉन अब सिनेमाघरों से अलविदा लेने की तैयारी में है।'पुष्पा 2 द रूल' ने लोगों के दिलों में खास जगह बना ली है। एक महीने बाद भी यह फिल्म दर्शकों को सिनेमाघरों में खींचने में कामयाबी हासिल कर रही है। इस फिल्म ने हाल ही में 1200 करोड़ी क्लब की शुरुआत की है। इसके अलावा 'मुफासा द लायन किंग' भारतीय लोगों पर अपना जादू चलाने में सफल रही है। वहीं, बेबी जॉन का हाल बॉक्स ऑफिस पर बेहाल है। आइए जानते हैं कि किन फिल्मों ने टिकट खिड़की पर सोमवार को कैसा प्रदर्शन किया। वरुण धवन की फिल्म बेबी जॉन बॉक्स ऑफिस से अलविदा लेने की तैयारी में है। दूसरे हफ्ते में ही फिल्म का कलेक्शन काफी ज्यादा गिर चुका है। बड़े बजट में बनकर तैयार हुई यह फिल्म 2024 की सबसे बड़ी फ्लॉप में से एक बन चुकी है। हिंदी सिनेमा में कदम रखने वाली कीर्ति सुरेश का डेब्यू भी इस फिल्म ने फीका कर दिया। फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो बॉक्स ऑफिस पर फिल्म पहले हफ्ते में फिल्म ने 36.4 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। वहीं, दूसरे हफ्ते में फिल्म की हालत और भी खस्ता नजर आ रही है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक फिल्म के सोमवार के कलेक्शन में 69 फीसदी से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई है। 13वें दिन फिल्म ने 26 लाख रुपये की कमाई की। इसके साथ ही फिल्म का कुल कलेक्शन 38.76 करोड़ रुपये हो गया है। मुफासा द लायन किंग को भारतीय दर्शक काफी ज्यादा पसंद कर रहे हैं। यही वजह है कि यह फिल्म अच्छा कारोबार कर रही है। 100 करोड़ी क्लब में शामिल होने के बाद भी यह फिल्म अच्छी कमाई कर रही है। 18वें दिन इस फिल्म ने एक करोड़ 25 लाख रुपये का कारोबार किया। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 124.22 करोड़ रुपये हो गई है। पुष्पा 2 द रूल बॉक्स ऑफिस पर एकछत्र राज कर रही है। यह फिल्म भारतीय दर्शकों के दिलों में बस गई है। 33वें दिन भी फिल्म की शानदार कमाई का सिलसिला जारी रहा। पांचवें सोमवार को फिल्म ने दो करोड़ 50 लाख रुपये का कलेक्शन किया। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 1208.7 करोड़ रुपये हो गई है। हिंदी भाषा में यह फिल्म जल्द ही 800 करोड़ी क्लब की शुरुआत करने जा रही है।

करीना, आलिया व अनुष्का की डिलीवरी करवाने वाले डॉ. रुस्तम का निधन, कपूर खानदान के करीबी थे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। करीना कपूर खान और आलिया भट्ट की गयनेकोलॉजिस्ट डॉक्टर रुस्तम सूनावाला का निधन हो गया, जिन्होंने तैमूर अली खान और राहा कपूर का प्रसव के समय करीना कपूर की डिलीवरी करवाई थी। उन्होंने ही राहा कपूर के जन्म के समय आलिया भट्ट की डिलीवरी करवाई थी। तैमूर अली खान और राहा कपूर के जन्म के समय करीना और आलिया की डिलीवरी करवाई थी।मशहूर स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. रुस्तम सूनावाला का निधन हो गया है। उन्होंने लंबी बीमारी के बाद आज रविवार को 95 वर्ष की आयु में इस दुनिया को अलविदा कह दिया। वह बॉलीवुड के पंसदीदा स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर थे। उन्होंने तैमूर अली खान जन्म कराया था। खास बात यह है कि करीना कपूर का जन्म भी उन्हीं के हाथों हुआ था।उन्हें महिला स्वास्थ्य के क्षेत्र में अग्रणी कार्य और परिवार नियोजन में योगदान के लिए उन्हें 1991 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। उन्होंने ही 1960 के दशक में पॉलीइथिलीन आईयूडी का आविष्कार किया था, जो जन्म नियंत्रण के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला उपकरण था।

कल्कि 2898 एडी पर लगा कर्ण को अर्जुन से श्रेष्ठ दिखाने का आरोप, अनंत श्रीराम ने जमकर की आलोचना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। गीतकार अनंत श्रीराम ने साउथ सुपरस्टार प्रभास की फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि फिल्म में कर्ण के किरदार को अर्जुन के चरित्र से श्रेष्ठ दिखाया गया है। नाग अश्विन की साइंस-फिक्शन फिल्म कल्कि 2898 एडी में प्रभास, दीपिका पादुकोण और अमिताभ बच्चन मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म में भारतीय पौराणिक कथाओं के साथ भविष्य की थीम को भी शामिल किया गया है। हालांकि, गीतकार अनंत श्रीराम ने एक धार्मिक सभा में फिल्म के खिलाफ टिप्पणी करके विवाद खड़ा कर दिया और फिल्म निर्माता वेणु उडुगुला ने उन पर पलटवार किया। पिछले हफ्ते कृष्णा जिले में विश्व हिंदू परिषद द्वारा आयोजित एक सभा में अनंत श्रीराम ने आज के दौर के सिनेमा द्वारा हिंदू पौराणिक कथाओं को बिगड़ने पर अपनी नाराजगी जताई और ऐसी फिल्मों के बहिष्कार का आह्वान किया। उन्होंने वहां मौजूद लोगों से पूछा कि उन्हें ऐसा क्यों बर्दाश्त करना चाहिए। खास उदाहरणों का हवाला देते हुए उन्होंने हिंदू देवताओं और प्रतीकों को गलत तरीके से पेश करने के लिए फिल्म निर्माताओं की आलोचना की। उन्होंने कहा कि जब एक निर्देशक ने भगवान विष्णु के लिए एक शीर्षक 'ब्रह्मांड नायकुडु' को अस्वीकार कर दिया तो उन्होंने उसके साथ फिर कभी काम न करने की कसम खा ली। इसके बाद उन्होंने 'कल्कि 2898 एडी' का जिक्र किया और फिल्म की टीम पर कर्ण के किरदार को मानवीय बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'जब फिल्म निर्माताओं ने कर्ण को अर्जुन से बेहतर दिखाया और उसे बिगड़ किया तो हम हिंदू समाज के रूप में चुप रहने की हिम्मत कैसे कर सकते हैं? जब द्रौपदी का वध हुआ तो कर्ण ने क्या किया? मैं इस फिल्म उद्योग से जुड़े एक व्यक्ति के रूप में शर्मिंदा हूं। हम अब और चुप नहीं रहने वाले हैं।' उन्होंने रामायण और भागवत पुराण पर स्वतंत्रता के साथ अपने हिसाब से काम करने वाले फिल्म निर्माताओं की भी आलोचना की। अनंत के बयानों को सोशल मीडिया पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिलीं। कुछ लोगों ने फिल्म इंडस्ट्री से होने के बावजूद अनंत श्रीराम का समर्थन किया तो कुछ ने उन पर सवाल उठाए। फिल्म निर्माता वेणु उडुगुला ने अनंत श्रीराम को याद दिलाया कि कल्कि 2898 एडी से पहले नंदमुरी तारक रामाराव (एनटीआर) ने भी पौराणिक कथाओं में कर्ण और अन्य कथित ग्रे पात्रों का मानवीय रूप दिया था। उन्होंने पोस्ट साझा कर लिखा, 'नमस्ते अनंत श्रीराम सर, कल्कि फिल्म की बात अलग है, तेलुगु सांस्कृतिक कथा में कर्ण के चरित्र को सामाजिक और मानवीय दृष्टिकोण से पेश करने वाली पहली फिल्म 'दान वीरा सूरा कर्ण' थी।

एक्शन-थ्रिलर से भरपूर होगा जनवरी का दूसरा सप्ताह, ओटीटी पर रिलीज होंगी ये दमदार फिल्में-सीरीज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। हर बार की तरह इस हफ्ते भी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर कई फिल्मों और सीरीज की दस्तक होने वाली हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं कि जनवरी के दूसरे हफ्ते में क्या कुछ नया आने वाला है।इस सप्ताह नेटफ्लिक्स, प्राइम, हॉटस्टार और अन्य पर क्या नया है, यह जानने के लिए आप भी उत्सुक हैं? चलिए आपकी इस उत्सुकता पर विराम लगाते हैं और बताते हैं आपको इस सप्ताह के बीच आने वाली सभी बेहतरीन ओटीटी रिलीज के बारे में। नए साल का दूसरा हफ्ता भी धमाकेदार साबित होने वाला है। चलिए जानते हैं कि जनवरी के दूसरे हफ्ते में कौन सी धमाकेदार फिल्में और वेब सीरीज रिलीज होने वाली हैं। फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' की कहानी 27 फरवरी, 2002 की सुबह गुजरात के गोधरा रेलवे स्टेशन के पास साबरमती एक्सप्रेस में हुई वास्तविक घटना पर केंद्रित है। फिल्म में विक्रांत मैसी, राशि खन्ना, ऋद्धि डोगरा, बरखा सिंह और नाजनीन पाटनी मुख्य भूमिकाओं में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, द साबरमती रिपोर्ट 10 जनवरी को जी5 पर रिलीज होगी। ब्लैक वारंट' कहानी एक जेल अधिकारी की है, जो दिल्ली की तिहाड़ जेल में पैदा हो रही व्यवस्थागत समस्याओं को जड़ से खत्म करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। फिल्म में जहान कपूर, राहुल भट, परमवीर चीमा, अनुराग ठाकुर और राजश्री देशपांडे अहम भूमिका में हैं। ब्लैक वारंट 10 जनवरी को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। लोकप्रिय शो 'शार्क टैंक इंडिया' एक और सीजन के साथ वापस आ गया है, जिसमें शार्क अमन गुप्ता, अनुपम मित्तल, नमिता थापर, विनीता सिंह और पीयूष बंसल शामिल होंगे। इसमें नए जज कुणाल बहल, स्नैपडील और टाइटन कैपिटल के सह-संस्थापक और वीबा/वीआरबी कंज्यूमर के संस्थापक और प्रबंध निदेशक विराज बहल भी शामिल हैं। 'शार्क टैंक इंडिया सीजन 4' 6 जनवरी को सोनी लिव पर स्ट्रीम होगा। एमटीवी रोडीज के इस सीजन में गैंग लीडर नेहा धूपिया, रिया चक्रवर्ती, प्रिंस नरूला और एल्विश यादव नजर आएंगे। एमटीवी रोडीज का प्रीमियर 11 जनवरी 2025 से एमटीवी पर होगा। यह जियो सिनेमा पर भी स्ट्रीम होगा। द ब्रेकथ्रू' की कहानी स्वीडन में दूसरी सबसे बड़ी हत्या की जांच के इर्द-गिर्द घूमती है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।

सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398

website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।